A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष -22 अंक-110 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

बांग्लादेश का असर कैसे पड़ रहा पश्चिम बंगाल की राजनीति पर?

सलमान रावी

दूसरी तरफ़ मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भारत की असहजता का जवाब देने में मुखर रही। बांग्लादेश को 'इंडिया लॉक्ड कंट्री' कहा जाता है। दरसअल, बांग्लादेश की 94 प्रतिशत सीमा भारत से लगती है। भारत और बांग्लादेश के बीच 4,367 किलोमीटर लैंड बॉर्डर है और यह बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमा का 94 फ़ीसदी है। इनमें से बांग्लादेश की 2216 किलोमीटर सीमा भारत के पश्चिम बंगाल से लगती है।

ऐसे में बांग्लादेश में किसी भी किस्म की अस्थिरता होती है तो उसका सीधा असर पश्चिम बंगाल पर पड़ता है।

अगर आधुनिक राष्ट्र-राज्य की सरहद की लकीर से हटकर देखें तो पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में कई स्तरों पर समानता है। दोनों के बीच भाषायी और सांस्कृतिक समानताएं तो जगज़ाहिर हैं। सीमाई इलाक़ों में पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के बीच बेटी-रोटी का भी संबंध है। बांग्लादेश में क़रीब आठ फ़ीसदी हिन्दू आबादी है और पश्चिम बंगाल में क़रीब 27 फ़ीसदी मुसलमान हैं। ऐसे में सरहद के दोनों तरफ़ किसी भी किस्म के सांप्रदायिक तनाव का भी सीधा असर एक-दूसरे पर पड़ता है।

इस साल अगस्त महीने में शेख़ हसीना को सत्ता छोड़कर जब भारत आना पड़ा तो बांग्लादेश में धार्मिक रूप से अल्पसंख्यकों पर हमले के आरोप लगे।

भारत ने आधिकारिक रूप से कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अपने यहाँ हिन्दुओं समेत अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। हालांकि बांग्लादेश ने अल्पसंख्यकों पर हमले के आरोप को ख़ारिज कर दिया और इसे प्रॉपेगैंडा बताया। दोनों देशों के आरोप-प्रत्यारोप और बांग्लादेश में जारी सियासी उथल-पुथल का असर पश्चिम बंगाल की राजनीति में साफ़ दिखा। पश्चिम बंगाल की मुख्य विपक्षी पार्टी बीजेपी काफ़ी आक्रामक दिखी। बीजेपी और उसके सहयोगी संगठनों ने कोलकाता में बांग्लादेश के उप-उच्चायोग के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया।

वहीं त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में बांग्लादेश के उप-उच्चायोग में तो लोग घुस गए और वहां तोड़फोड़ की. बांग्लादेश ने इसे लेकर कड़ी आपत्ति जताई थी। दोनों देशों के बीच पनपे अविश्वास का असर पश्चिम बंगाल में साफ़ महसूस किया जा सकता है। पिछले महीने बांग्लादेश के चटगाँव में इस्कॉन मंदिर से जुड़े चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ़्तार किया गया था। इस गिरफ़्तारी के बाद पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुभेंदू अधिकारी ने धमकी देते हुए कहा था कि अगर चिन्मय कृष्ण दास को रिहा नहीं किया गया तो पेत्रापोल के ज़रिए भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाले कारोबार को बंद करवा देंगे। वहीं पश्चिम बंगाल के बीजेपी नेता और पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने भी कहा कि भारत अगर चाहे तो बांग्लादेश को आर्थिक रूप से गहरी चोट दे सकता है। घोष ने कहा था, ''भारत ने बांग्लादेश से संबंध इसलिए नहीं तोड़े हैं क्योंकि दोनों देशों का ऐतिहासिक रिश्ता रहा है। अगर बांग्लादेश में इसी तरह से अत्याचार जारी रहा तो अंततः बांग्लादेश की स्थिरता और पूरी अर्थव्यवस्था को नुक़सान होगा।''

बांग्लादेश को लेकर पश्चिम बंगाल में बीजेपी की आक्रामकता को देखते हुए वहाँ की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी कहा कि केंद्र सरकार बांग्लादेश में हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित कराए। यहां तक कि मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश में संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों की तैनाती की मांग कर दी। पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश से भारत आने वालों की संख्या घटी है।

दो दिसंबर को भारत के पर्यटन मंत्रालय ने लोकसभा में एक सवाल के जवाब में कहा था कि 2023 में बांग्लादेश के 21.19 लाख पर्यटक भारत आए थे और 2024 में अगस्त महीने तक 12.85 लाख बांग्लादेशी पर्यटक भारत आए। पिछले साल जुलाई और अगस्त महीने की तुलना में इस साल इन्हीं दो महीनों में बांग्लादेश से भारत आने वाले पर्यटकों की तादाद में क्रमशः 20.26 प्रतिशत और 38.08 प्रतिशत की गिरावट आई है। कोलकाता की 'मार्कस स्ट्रीट' का इलाक़ा करोबार का बड़ा केंद्र है। यहां बांग्लादेश के लोग भी बड़ी संख्या में ख़रीदारी करने आते थे। लेकिन दोनों देशों में बढ़े अविश्वास के कारण यहां के कारोबार पर सीधा असर पड़ा है।

कहा जा रहा है कि बीजेपी पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश के नाम पर धार्मिक ध्रुवीकरण की कोशिश कर रही है। कोलकाता के वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक निर्माल्य मुखर्जी कहते हैं, 'बीजेपी ध्रुवीकरण की कोशिश कर रही है लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिलेगी। बीजेपी की शुरू से कोशिश रही है कि पश्चिम बंगाल के हिन्दुओं को अपने पीछे लामबंद कर ले लेकिन यह अब तक संभव नहीं हो पाया है। बांग्लादेश में हिन्दुओं की सुरक्षा को लेकर प्रदेश बीजेपी को अपनी सरकार से पूछना चाहिए न कि ममता बनर्जी से।' हालांकि प्रदेश की बीजेपी नेता वैशाली डालमिया कहती हैं कि बीजेपी बांग्लादेश के हिन्दुओं की फ़िक्र कर रही है और यह कोई ध्रुवीकरण के लिए नहीं है।

कोलकाता के वरिष्ठ पत्रकार सुवोजीत बागची मानते हैं कि अगर हाल के दिनों में पश्चिम बंगाल में विधानसभा के चुनाव हो रहे होते तो बीजेपी बांग्लादेश के मुद्दे को भुना सकती थी लेकिन चुनाव अभी बहुत दूर है। बागची कहते हैं, 'मार्च में चुनाव होते तो बीजेपी को फ़ायदा होता। लेकिन यहां तो विधानसभा चुनाव 2026 में होंगे। इसलिए मुझे नहीं लगता कि बीजेपी कुछ सियासी माइलेज ले पाएगी।'

हालांकि बांग्लादेश पर बीजेपी के साथ ममता बनर्जी भी आक्रामक हैं। ममता बनर्जी ने इसी महीने विधानसभा में कहा था, 'कोई बांग्लादेश का नेता कह रहा था कि बंगाल, झारखंड, बिहार और ओडिशा पर क़ब्ज़ा कर लेगा। क्या हमलोग यहाँ पर बैठकर लॉलीपॉप खा रहे हैं।'

बीजेपी ममता बनर्जी को बांग्लादेश के अवैध प्रवासियों और रोहिंग्या के मामले में उदार रुख़ अपनाने का आरोप लगाती रही है। पश्चिम बंगाल के हिन्दू और मुसलमान बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा है, उसे लेकर सतर्क हैं। मुश्ताक़ अहमद धर्मतल्ला में अपनी दुकान चलाते हैं। दोपहर के समय वह अपनी दुकान में बैठकर रील्स देख रहे थे। एक रील में बांग्लादेश का कोई व्यक्ति धार्मिक उन्माद से भरा भाषण देता दिखा तो वह रुक गए। इस रील को दिखाते हुए उन्होंने कहा, 'देखिये ये सब क्या हो रहा? जितना तनाव दोनों देशों के बीच ज़मीन पर नहीं है, उससे ज़्यादा सोशल मीडिया पर दिख रहा है। यहाँ के मुसलमान भी बांग्लादेश में हिन्दुओं की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। बांग्लादेश में सरकार नाम की कोई चीज़ ही नहीं है। पश्चिम बंगाल में किसी मुसलमान को कभी इतनी नफ़रत का सामना नहीं करना पड़ा है, जितनी नफ़रत और हिंसा का सामना बांग्लादेश के हिन्दुओं को करना पड़ रहा है।'

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

राहुल गांधी पर भाजपा सांसद को धमकी देने का मामला दर्ज

- बीजेपी और कांग्रेस दोनों ने की प्रेस कान्फ्रेंस, एक दूसरे पर लगाए आरोप
- मंत्री शिवराज बोले-राहुल ने गुंडागर्दी की, कांग्रेस ने लोकतंत्र को कुचला
- राहुल गांधी बोले-अडाणी मुद्दे से ध्यान भटकाने की बीजेपी की स्ट्रेटजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। भाजपा की ओर से पुलिस थाना में राहुल गांधी पर 7 धाराओं में केस दर्ज कराया है इन में सामूहिक अपराध, चोट पहुंचाने के इरादे से काम करना, जानबूझकर गंभीर चोट पहुंचाना, निजी सुरक्षा

को जानबूझकर खतरे में डालना, धक्का देने व डराने व धमकाने की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज दिया गया है। इधर कांग्रेस ने अपने नेता मल्लिकार्जुन खरगे और प्रियंका गांधी के साथ भाजपा सांसदों द्वारा धक्का-मुक्की का आरोप लागया है। संसद में गुरुवार सुबह हुई धक्कामुक्की की घटना को लेकर कांग्रेस और भाजपा दोनों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कांग्रेस मुख्यालय में राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम शांति से प्रदर्शन करने आए थे, लेकिन भाजपा ने मसल पावर दिखाया। ये उनका अडाणी जैसे जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाने का तरीका है। वहीं, भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि अगर खड़गे-राहुल को माफी नहीं मांगनी थी तो प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों की। उनका अहंकार झलक रहा है। आज जो संसद में हुआ उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। कांग्रेस ने गुंडे-पहलवान संसद में भेजे हैं।

गृहमंत्री कुछ बोलने से पहले फैक्ट चेक किया करें

खड़गे ने कहा कि,कल हमने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उसमें हम बहुत सी चीजें आपको बताई थीं। और एक मुद्दा हमारे सामने आया है, जो आज की सरकार खासकर प्रधानमंत्रीजी और हमारे होम मिनिस्टर बयान जो दे रहे हैं अंबेडकर पर, वो दुखदायक है। आप बगैर फैक्ट देखे बिना प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बोल रहे हैं। जांच तो कर लें कि फैक्ट्स क्या हैं। उसके बाद आप नेहरूजी को गालियां दें, अंबेडकर को अपमानित करें।

राहुल जानबूझकर हमारे सांसदों के बीच आए :शिवराज

शिवराज सिंह ने कहा कि, आज संसद के बाहर जो हुआ वह अशालीन, अशोभनीय और गुंडागर्दी से भरा व्यवहार था, जिसकी सभ्य समाज कल्पना नहीं कर सकता। विरोध प्रकट करने का अधिकार है। कांग्रेस भी कई दिनों से ऐसा कर रही थी। मकरद्वार पर उनके मेंबर्स खड़े होते थे, हम दरवाजा बदल लेते थे या चुपचाप चले जाते थे। आज जब भाजपा मेंबर्स वहां विरोध कर रहे थे, तब राहुल आए। सुरक्षाकर्मियों ने कहा कि आप स्पेस का इस्तेमाल अंदर जाने के लिए करें। जानबूझकर, सोच-समझकर राहुल हमारे सांसदों के बीच पहुंच गए। उन्होंने ऐसा व्यवहार किया। कोई धक्का-मुक्की, गुंडागर्दी की कल्पना कर सकता है। हमारे बुजुर्ग-गरीब सांसद सारंगीजी गिर गए। इसके कारण उनके माथे पर गंभीर चोट लगी। राजपूत होश में नहीं थे। उनकी एमआरआई की जा रही थी। क्या देश में अब ऐसा ही होगा। शिवराज ने कहा कि हमारी आदिवासी सासंद कोन्याक ने जो कहा, उसे सुनकर दुख से मन भर जाता है। सभापति जी कह रहे कि सांसद उनके पास रोते हुए आए। क्या महिला आदिवासी सासंद के साथ ऐसा व्यवहार किया जाएगा। मां बहन और बेटी का सम्मान भारत की परंपरा रही है।

बेहतर स्वास्थ्य और शुद्ध मानसिकता का आधार है आहार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अक्षय पात्र फाउंडेशन स्कूली बच्चों को पौष्टिक भोजन से परोस रही है नवजीवन

- मुख्यमंत्री ने एक करोड़ से अधिक मध्यान्ह भोजन प्रदाय के अवसर पर भोजन वितरण वाहन को झंडी दिखाकर किया रवाना

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों का स्त्रोत आहार ही है। आहार की शुद्धता इसकी महत्ता को कई गुना बढ़ा देती है। आहार की शुद्धता का महत्व बताते हुए भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवद् गीता में कहा है कि शुद्ध आहार से ही विचार की शुद्धता संभव है। अक्षय पात्र फाउंडेशन इस दृष्टि से स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन के माध्यम से नवजीवन परोस रही है। पूर्व राष्ट्पति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा शिक्षा के लिए भरपूर भोजन के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की प्रशंसा की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत भोपाल नगरीय क्षेत्र में एक करोड़ से अधिक मध्यान्ह भोजन प्रदाय अवसर पर रोहित नगर स्थित परिसर में अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भोजन बनाने और वितरित करने की प्रक्रिया में हुए सहभागी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अक्षय पात्र परिसर में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झंडी दिखाकर भोजन वितरण वाहनों को रवाना किया तथा 10 स्कूली बच्चों को प्रतीक स्वरूप मध्यान्ह भोजन वितरित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अंगवस्त्रम तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिवादन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अक्षय पात्र फाउंडेशन के केंद्रीकृत किचन में पहुंचकर भोजन बनाने की स्वचालित प्रक्रिया का अवलोकन किया। वे दाल-रोटी बनाने की प्रक्रिया में सहभागी भी हुए। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत भोपाल नगरीय क्षेत्र की शासकीय शालाओं को इस बेस किचन से ही मध्यान्ह मध्यान भोजन सप्लाई होता है। कार्यक्रम में पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, पंचायत और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह उपस्थित थीं। इस अवसर पर अक्षय पात्र फाउंडेशन की गतिविधियों पर लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

भोपाल के 645 स्कूलों को उपलब्ध कराया जा रहा है शुद्ध, पौष्टिक और गुणवत्तायुक्त मिड-डे मील

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा 76 कर्मचारियों की टीम और 38 वाहनों के माध्यम से भोपाल के 645 स्कूलों को शुद्ध, पौष्टिक और गुणवत्तायुक्त मिड-डे मील उपलब्ध कराया जा रहा है। एक साथ 40 हजार रोटियां तैयार करना, दाल और सब्जी बनाने में भी मशीनीकृत प्रक्रियाएं अपनाना अभिभूत करने वाला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संतवृंद के माध्यम से भोजन बनाने की इस प्रक्रिया से पवित्र भाव का संचार भी होता है। अक्षय पात्र फाउंडेशन का यह संकल्प आने वाले समय में बेहतर स्वास्थ्य और शुद्ध मानसिकता वाले समाज के निर्माण में सहायक होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एचइजी लिमिटेड के चेयरमेन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री रवि झुनझुनवाला, अक्षय पात्र फाउंडेशन के संस्थापक और चेयरमेन पद्मश्री मधु पंडित दासा और भोपाल कलस्टर के अध्यक्ष श्री आचार्य रतन दासा सहित फाउंडेशन के सभी सहयोगियों और कर्मचारियों का इस पुनीत सेवा के लिए अभिवादन किया।

सुप्रभात

इस ह्रदय की तरंगों को,
स्पर्श तुम ना करना,
जो गुजरना मेरी गलियों से,
तो आँखों को बंद करना।
बर्बादियों ने बड़े करीने से,
सजा रखा है इन खंडहरों को,
तुम नक्काशियों में इसकी उलझकर,
मुंडेरों पर ना भटकना।
चाँद छूती है हर रात पर,
लगे अमावस मुझे कुछ ख़ास
कि सितारों ने हीं सिखाया है कि,
इश्क़िया आतिशों में ना बिखरना।
बूँदें ओस की भी उतरती हैं यहाँ,
फैले कोहरे की गवाही में,
तुम ख्वाहिशों के अपने कारवां को,
मेरी धूप में ना धरना।
उम्मीदों की लकड़ियां जलाकर,
जो कट चुकीं हैं सर्द रातें,
तुम सपनों की रजाईयां लेकर,
मेरी बागों का रुख ना करना।
यूँ तो आवारगी तेरी,
अक्सर लगती है मुझको घर सी,
पर तजुर्बे वक्त ने दिखाए जो,
तो लाजमी है मेरा डरना।
यादों की आहटों में सिमट जाती है,
ये शामें मेरी रफ़्ता-रफ़्ता
तुम सादगी भोर की बनकर,
मेरे गुलमोहरों पर ना उतरना।
जमींदोज़ हैं मेरे हिस्से,
जिन्हें ढूढ़ना है बड़ा मुश्किल,
दर्द की नयी रवानगी लिए तुम,
सूखे तालाबों में ना छलकना।
कुछ लब्ज गूंजते हैं यहां,
एक नाम ठहरा सा है,
एक शोर नया बनकर तुम,
मेरे सन्नाटों में ना टहलना।

- मनीषा मंजरी

भारत-पाकिस्तान की टीमें एक-दूसरे के देश में नहीं खेलेंगी

- आईसीसी मीटिंग में फैसला, चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान की टीमें एक-दूसरे के देश में जाकर क्रिकेट नहीं खेलेंगी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाएंगे। पाकिस्तानी टीम भी 2027 तक किसी भी टूर्नामेंट के लिए भारत नहीं आएगी। उसके मैच भी न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे। आईसीसी की इस फैसले की जानकारी गुरुवार को सामने आई। मीटिंग में यह फैसला पहले ले लिया गया था। भारत में 2025 विमेंस वनडे वर्ल्ड कप, 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप भारत और श्रीलंका में होना है। इससे पहले जब आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को हाइब्रिड मॉडल में कराने की बात पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को बताई थी, तब पीसीबी ने आईसीसी के सामने भारत में टीम न भेजने की मांग रखी थी, जिसे अब आईसीसी ने मान लिया है। आईसीसी बोर्ड ने कन्फर्म किया कि विमेंस वर्ल्ड कप 2028 पाकिस्तान में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में भी भारतीय और पाकिस्तान की महिला टीम के मैच होंगे।

संभल सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर की बत्ती गुल

बिजली विभाग ने चेकिंग अभियान के बाद काटा कनेक्शन

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। गुरुवार की सुबह एक बार फिर से बिजली विभाग की टीम सुरक्षा बल के साथ सांसद के आवास में पहुंची। यहां हैरानी करने वाली जानकारी सामने आई है, जिसमें पिछले एक साल के दौरान रीडिंग शून्य मिली है। इसके साथ ही 2 किलोवाट के कनेक्शन पर 16.5 किलोवाट बिजली चलाने की जानकारी मिली है। अब सांसद के घर की बिजली भी काट दी गई है। संभल में बिजली विभाग की टीम ने गुरुवार को चेकिंग अभियान के बाद सांसद जियाउर्रहमान बर्क और उनके पिता सहित 3 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 20 दिसंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

कुलगाम में हिजबुल का कमांडर सहित 5 आतंकी ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के कद्देर इलाके में सेना और पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन में 5 आतंकियों को ढेर कर दिया। इनमें हिजबुल मुजाहिदीन का कमांडर फारुक अहमद भट्ट भी शामिल है। हालांकि, आतंकियों के शव मिलने बाकी हैं। मुठभेड़ में दो जवान भी घायल हुए हैं।

गुरुवार सुबह सेना और पुलिस को इलाके में आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद जॉइंट सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तलाशी के दौरान

आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की। उधर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिल्ली में मीटिंग कर सकते हैं। सितंबर-अक्टूबर में हुए विधानसभा चुनावों के बाद यह पहली बैठक होगी। इसमें उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना, अर्धसैनिक बलों, जम्मू-कश्मीर प्रशासन, खुफिया एजेंसियों और गृह मंत्रालय के सीनियर अफसर शामिल होंगे। इससे पहले 16 जून को भी शाह ने हाई लेवल मीटिंग की थी।

कश्मीर घाटी में जिहाद के लिए जाने की थी तैयारी

● इंदौर में आईएसआई के रिक्रूटमेंट मॉड्यूल का खुलासा

इंदौर (एजेंसी)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के रिक्रूटमेंट मॉड्यूल का बड़ा खुलासा हुआ है। आईबी की सूचना पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने इंदौर के खजराना इलाके से तीन युवकों अयान, जुनैद, और कासिम को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, ये तीनों युवक इंस्टाग्राम के जरिए आईएसआई से जुड़े हुए थे और कश्मीर में जिहाद के लिए जाने की तैयारी कर रहे थे। एजेंसियों को इस मॉड्यूल के बारे में खुफिया सूचना मिली थी।

संक्षिप्त समाचार

मल्लिका शेरावत और पूजा बनर्जी से ईडी ने की पूछताछ

मुंबई (एजेंसी)। मैजिक विन गैम्बलिंग ऐप से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फिल्म एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत और टीवी एक्ट्रेस पूजा बनर्जी से पूछताछ की। पूछताछ कब हुई, इसका पता नहीं चला है, लेकिन गुरुवार को इसकी जानकारी सामने आई है। दोनों एक्ट्रेस मैजिक विन गैंबलिंग ऐप के प्रमोशन से जुड़ी थीं। इसका मालिक पाकिस्तानी नागरिक है, जबकि दुबई से कुछ भारतीय नागरिक इसका ऑपरेशन कर रहे थे। ईडी की जांच में सामने आया है कि मैजिक विन ऐप ने गैरकानूनी तरीके से मेंस टी 20 वर्ल्ड कप का ब्रॉडकास्ट किया गया था। साथ ही ऑनलाइन बेटिंग लगाई गई थी। शेरावत ने ईमेल के जरिए ईडी को अपना जवाब भेजा था।

यूक्रेन ने रूस के खिलाफ उतारा महाविनाशक लेजर हथियार

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के युद्ध में अब एक लेजर हथियार आया है। यूक्रेन ने 'ट्राइडेंट' नाम के लेजर हथियार का अनावरण किया है, जो प्रकाश की गति से हवाई खतरों को नष्ट कर देता है। यह साइंस फिक्शन फिल्म की तरह है, जो एक मील दूर से आने वाले ड्रोन और विमानों को मार गिरा सकता है। युद्ध के दौरान

यह एक बड़ा फायदा यूक्रेन को दे सकता है। क्योंकि रूस का आक्रमण एक बार फिर धीरे-धीरे तेज होने लगा है। सोमवार को एक रक्षा सम्मेलन के दौरान एक यूक्रेनी कमांडर ने 'ट्रायजुब' नाम के हथियार के अस्तित्व का खुलासा किया। यूक्रेन की मानवरहित सेना की कमान संभालने वाले सुखारेव्स्की ने कहा कि यूक्रेन ऑपरेशनल लेजर वाला पांचवां देश है।

मोदी सरकार ने डिजिटल इंडिया पर लुटाया जमकर पैसा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार की ओर से डिजिटल इंडिया मुहिम पर खासा काम किया जा रहा है। यही वजह है कि मोदी सरकार ने डिजिटल इंडिया मुहिम के लिए जमकर पैसा दिया गया। लेकिन इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय उस पैसे को खर्च नहीं कर पा रहा है।

मंत्रालय को साल वित्त वर्ष 24 में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग प्रोजेक्ट के लिए 1,503.36 करोड़ रुपये आवंटित किये गये थे, लेकिन आईटी मिनस्ट्री की ओर से केवल 681.11 करोड़ रुपये ही खर्च किये गये। मंत्रालय की ओर से बाकी 55 फीसद फंड को सरेंडर कर दिया गया है। डिजिटल इंडिया प्रोग्राम के आवंटित फंड में कमी देखी गई है।

प्रमोद ताम्बट को वर्ष 2024 का ज्ञान चतुर्वेदी राष्ट्रीय व्यंग्य सम्मान

प्रसिद्ध व्यंग्यकार प्रमोद ताम्बट को व्यंग्य लेखक समिति (वलेस) के द्वारा वर्ष 2024 के लिए 'ज्ञान चतुर्वेदी राष्ट्रीय व्यंग्य सम्मान' दिया जा रहा है। इस वर्ष ये सम्मान संयुक्त रूप से शशांक दुबे और प्रमोद ताम्बट को एक समारोह में रतलाम में दिया जाएगा। सम्मान समारोह में देश के ख्यातनाम व्यंग्यकार उपस्थित रहेंगे व व्यंग्य पाठ करेंगे ।

प्रमोद ताम्बट पिछले चालीस वर्षों से व्यंग्य विधा में सक्रिय हैं। देश की प्रमुख पत्रिकाओं में आपके व्यंग्य शाया होते रहे हैं । कई समाचार पत्रों में व्यंग्य कॉलम भी उनके द्वारा लिखे गए। प्रमोद के दो व्यंग्य संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। 'लो बिक गया जमीर' उनका व्यंग्य संग्रह काफी लोकप्रिय रहा है। एक व्यंग्य संग्रह जल्दी ही प्रकाशित होने वाला है। भोपाल प्रमोद की कर्मस्थली है। व्यंग्य लेखन के साथ-साथ वे नाटकों में अभिनय भी करते रहे हैं। उनके लिखे नाटक का आकाशवाणी से समय-समय पर प्रसारित होते रहते हैं। रतलाम में इस माह की बाइस तारीख को मशहूर और मारूफ़ व्यंग्यकार पद्मश्री ज्ञान चतुर्वेदी उनको इस सम्मान से नवाजेंगे।

प्रयागराज महाकुंभ में फ्री ट्रेन यात्रा नहीं कराएगा रेलवे

● कहा-जनरल कोच में 200-250 किमी तक बिना टिकट ट्रैवल की खबर अफवाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ मेले के दौरान जनरल डिब्बे में बिना टिकट यात्रा से जुड़ी खबरों पर रेल मंत्रालय ने बुधवार को सफाई दी है। भारतीय रेलवे ने स्पष्ट किया कि यात्रियों को फ्री यात्रा की अनुमति देने वाली खबरें पूरी तरह से आधारहीन और अफवाह हैं। पहले खबर आई थी कि यात्री प्रयागराज से 200 से 250 किमी की दूरी तक की यात्रा मुफ्त में कर सकते हैं। रेल मंत्रालय ने कहा- भारतीय रेलवे के संज्ञान में आया है कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि महाकुंभ मेले के दौरान यात्रियों को मुफ्त यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी, हम इन रिपोर्ट्स का खंडन करते हैं, क्योंकि वे पूरी तरह से निराधार और भ्रामक हैं।

डल्लेवाल की तबियत आपकी जिम्मेदारी, कुछ नहीं हो रहा

● सुप्रीम कोर्ट सख्त,पंजाब सरकार को लगाई जमकर फटकार

● अनशन कर रहे किसान नेता की बिगड़ी तबियत,हो गए बेहोश

शंभू बॉर्डर (एजेंसी) किसानों को फसल पर एमएसपी के गारंटी कानून के लिए 24 दिन से अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत बिगड़ गई है। डल्लेवाल गुरुवार सुबह वह अचानक बेहोश होकर गिर गए। उन्हें उल्टियां भी हुईं। पुलिस के सीनियर अधिकारी खनौरी बॉर्डर पहुंच गए हैं। डल्लेवाल का ब्लड प्रेशर काफी कम हो गया है। हालांकि, अब वह स्टेबल है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को किसान आंदोलन पर सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट बोला- 70 साल का आदमी 20 दिन से हड़ताल पर, कौन डॉक्टर कह रहा वो ठीक हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से सवाल किया कि 70 साल का आदमी 24 दिन से भूख हड़ताल पर है। कौन डॉक्टर है, जो बिना किसी टेस्ट के डल्लेवाल को सही बता रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से पूछा- आप कैसे कह सकते डल्लेवाल ठीक हैं। जब उनकी कोई जांच नहीं हुई, ब्लड टेस्ट नहीं हुआ, ईसीजी नहीं हुई, तो कैसे कह सकते हैं कि वह ठीक हैं।

शाह के बयान पर मध्यप्रदेश विधानसभा में हंगामा

कांग्रेस विधायकों ने अंबेडकर के फोटो लेकर नारेबाजी की, केंद्रीय गृहमंत्री से माफी मांगने की मांग

भोपाल (नप्र)। संसद में बाबा साहब अंबेडकर को लेकर दिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर मध्यप्रदेश विधानसभा में गुरुवार को भी हंगामा हुआ। कांग्रेस विधायकों ने अंबेडकर की फोटो हाथों में लेकर जमकर नारेबाजी की। शाह के बयान को डॉ. अंबेडकर का अपमान बताया और अमित शाह से माफी मांगने की मांग की है। इससे पहले दोपहर में लंच के बाद सदन की कार्यवाही शुरू होने पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने संसद में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ हुई धक्का-मुक्की और राहुल गांधी पर लगाए गए आरोप पर चर्चा की मांग की। इस पर अध्यक्ष ने इनकार कर दिया।

सत्ता पक्ष से मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल और राकेश सिंह ने इसका विरोध किया। मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि वस्तु स्थिति मीडिया में चल रही है कि वहां संसद में जो नेता प्रतिपक्ष हैं उन्होंने भाजपा सांसद को धक्का दिया। यह शर्मनाक बात है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार से इस बात के लिए माफी मांगने की मांग की। इसके बाद कांग्रेस ने सदन से वाक आउट कर दिया।

जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार के आरोप- नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- बीजेपी सरकार ने कहा था कि घर-घर पेयजल पहुंचाएंगे। लेकिन इनकी जल जीवन मिशन योजना के तहत लगे नलों में केवल हवा आ रही है, पानी नहीं। सरकार ने इसमें हजारों-करोड़ों का घोटाला किया है। गुजरात के ठेकेदारों को फायदा पहुंचाया। विधानसभा में कांग्रेस विधायकों ने जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। कांग्रेस सदस्य हाथों में टोटियां लेकर सदन पहुंचे थे।

सरकार समय पर छात्रवृति नहीं देती- बरैया- निजी स्कूल फीस संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया ने कहा कि सरकार ने प्राइवेट स्कूलों के फीस संशोधन का विधेयक प्रस्तुत किया है। मैं कहना चाहता हूं कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले दलित आदिवासी बच्चों का जैसे ही एडमिशन होता हैं तो उनसे स्कूल के प्रबंधन द्वारा कहा जाता है कि आपको जो छात्रवृत्ति मिलती है, वह जमा कर दीजिए। हम फीस नहीं मांगेंगे, लेकिन सरकार की ओर से उन्हें समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिलती।

नेता प्रतिपक्ष की मांग- अमित शाह माफी मांगे- नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सोशल मीडिया ङ्ग पर विधानसभा की कार्यवाही का वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा- अमित शाह जी ने बाबा साहब अंबेडकर का अपमान किया है, उन्हें माफी मांगना चाहिए।

जन विश्वास बिल में कई विसंगतियां- जन विश्वास बिल पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- हर धारा उप धारा पर चर्चा होनी चाहिए, लेकिन दो दिन में ये संभव नहीं है। कई विसंगतियां हैं। ऑनलाइन परमिशन के लिए लोगों को नगरीय निकायों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। पेड़ काटने के लिए आयुक्त से परमिशन लेनी होती है। आयुक्त से आम व्यक्ति मिल ही नहीं पाता। ये बिल प्रवर समिति को भेजे जाने चाहिए।

इनकम टैक्स खुद भरेंगे स्पीकर, डिप्टी स्पीकर और नेता प्रतिपक्ष

विधानसभा में प्रश्नोत्तर काल और ध्यानाकर्षण के बाद मध्यप्रदेश माल और सेवा कर तृतीय संशोधन विधेयक 2024, विधानसभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष वेतन भत्ता संशोधन विधेयक 2024 तथा मध्य प्रदेश विधानसभा नेता प्रतिपक्ष वेतन तथा भत्ता संशोधन विधेयक 2024 सर्वसम्मति से पारित किए गए। इन विधेयकों के पारित होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष वेतन तथा भत्ते से होने वाली आमदनी पर लगने वाले इनकम टैक्स की राशि खुद जमा करेंगे।

शाह के बयान का विरोध, कांग्रेस विधायकों ने की नारेबाजी

मध्यप्रदेश विधानसभा में कांग्रेस विधायकों ने बाबा साहब अंबेडकर पर दिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान का विरोध किया है। कांग्रेस विधायकों ने शाह के बयान को डॉ. अंबेडकर का अपमान बताया और अमित शाह से माफी मांगने की मांग की है। इसे लेकर कांग्रेस विधायकों ने अंबेडकर की फोटो हाथों में लेकर नारेबाजी भी की है।

कांग्रेस का वाकआउट

दोपहर में लंच के बाद सदन की कार्यवाही फिर शुरू हुई। विधानसभा अध्यक्ष ने शून्य काल की सूचना विधायकों से पढ़वाई। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने संसद में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ हुई धक्का-मुक्की और राहुल गांधी पर लगाए गए आरोप पर चर्चा की मांग की। इसे अध्यक्ष ने इनकार कर दिया।

तानसेन समारोह ने पूरा किया शतक

एक आँखों देखी रिपोर्ट

यशवंत गोरे

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार एवं कला समीक्षक)

मध्य प्रदेश में कला के क्षेत्र के तीन प्रमुख समारोह आयोजित होते हैं। नृत्य कला का समारोह 'खजुराहो नृत्य समारोह' खजुराहो में जो 1975 में प्रारम्भ हुआ, नाट्य कला का समारोह 'कालिदास समारोह' उज्जैन में जो 1958 में पहली बार हुआ था और शास्त्रीय संगीत का 'तानसेन समारोह' ग्वालियर में मध्य प्रदेश के सांस्कृतिक विभाग द्वारा प्रमुखता से आयोजित किए जाते हैं। ग्वालियर के तानसेन समारोह को 100 वर्ष पूर्ण हो गए। संगीत सम्राट तानसेन जिनके लिए संगीत परब्रह्म से एक होने की अनवरत साधना थी उनकी स्मृतियों और शास्त्रीय संगीत को समर्पित यह प्रतिष्ठित समारोह इस वर्ष अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। इस प्रकार इस समारोह ने अपना शतक पूरा कर लिया। जो प्रदेश और संगीत प्रेमियों के लिए गौरव का विषय है। यह भारतीय शास्त्रीय संगीत की मजबूत जड़ों और सस्कृति के प्रति गहरी आस्था का प्रतीक है। इस वर्ष यह समारोह 14 दिसंबर से 19 दिसंबर तक ग्वालियर में मनाया गया।

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के लिए जिला प्रशासन, नगर निगम ग्वालियर एवं मध्यप्रदेश पर्यटन के सहयोग से उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद , भोपाल के संयुक्त प्रयासों का यह एक प्रतिष्ठित आयोजन है। संस्कृति विभाग के सौजन्य से मुझे इस वर्ष दिनांक 16 दिसंबर को एक कला समीक्षक के रूप में इस समारोह का साक्षी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस वर्ष इस समारोह में 100 से अधिक कलाकारों और कई संगीत के लिए समर्पित संस्थाओं को अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया था । तानसेन समारोह का यह शताब्दी वर्ष होने पर 'यूनेस्को' द्वारा ग्वालियर नगर को 'संगीत नगरी' घोषित किया गया, सभी ग्वालियर वासी निश्चित ही बधाई के पात्र है। इस उपलक्ष में मध्य प्रदेश के 1500 कलाकारों ने एक साथ एक ही स्वर में एक साथ तबला वादन किया, जिसे 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में शामिल किया गया। ग्वालियर के ऐतिहासिक किले पर मध्यकाल के वाद्य यंत्रों को 350 कलाकारों ने वृहद शास्त्रीय बैंड की प्रस्तुति भी दी। शास्त्रीय और लोक संगीत में उपयोग आने वाले वाद्य यंत्रों की एक विशाल प्रदर्शनी इस समारोह की आकर्षण का केंद्र रही। इस प्रदर्शनी में लगभग 600 वाद्य यंत्रों को प्रदर्शित किया गया है। जिसमें कई दुर्लभ वाद्य यंत्र भी शामिल है। तांबे का जल तरंग, नागपिन्नी, नरसिंघा (उत्तराखंड) जाइला फोन, पावसी के माटे, थप्पू , बानामोंडम (यह वाद्य यंत्र साजा वृक्ष की लकड़ी से बनाया जाता है और यह जनजातीय समुदाय द्वारा पारम्परिक संगीत में उपयोग किया जाता है) जैसे कई दुर्लभ वाद्य प्रदर्शित किए गए हैं। इस प्रदर्शनी का संयोजन उज्जैन के त्रिवेणी संग्रहालय द्वारा किया गया है। 99 वर्ष की तानसेन समारोह की यात्रा का सांकेतिक आस्वादन एवं कार्यक्रम के दुर्लभ चित्रों की प्रदर्शनी के साथ तानसेन सम्मान से अलंकृत विभूतियों के फोटो प्रदर्शनी में सम्मिलित किए गए हैं।

शताब्दी वर्ष होने के कारण इस वर्ष विशेष रूप से राग - रागिनियों के अंतर संबंध और उनकी रूपवत अभिव्यक्ति केंद्रित चित्रकला शिविर 13 दिसंबर से 19 दिसंबर तक आयोजित किया गया है। इस वर्ष देश भर से नामचीन कलाकारों , चित्रकारों को आमंत्रित किया गया है मध्य प्रदेश के वरिष्ठ चित्रकार लक्ष्मी नारायण भावसार के अलावा आनंद गुजरात के कन्नू पटेल, जान डगलस, पवन कुमावत, अवधेश मिश्रा, वेद प्रकाश पालीवाल, महेश चंद्र शर्मा, रामचंद्र खारतमल, मानस जेना और उत्तम दीक्षित चित्रकारों द्वारा नवोदित कलाकारों को इस शिविर में मार्गदर्शन दिया गया। इस शिविर में बनाई पेंटिंग्स की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। लक्ष्मी नारायण भावसार ने बताया कि हमने पेंटिंग में एक नया प्रयोग शुरू किया है। उन्होंने बताया कि अभी तक आप संगीत केवल कान से सुन सकते थे पर अब आप आंखों से भी संगीत महसूस कर सकते हैं। हमने पेंटिंग के माध्यम से राग- रागिनी के प्रहसनों को उनके विषय वस्तु के भाव को पेंटिंग के माध्यम से प्रदर्शित करते हैं , जिसमें यह आप जान सकेंगे कि यह कौन सा राग है। उन्होंने अपनी पेंटिंग रागों का राजा भैरव और भैरव के पुत्र बिलावल उसकी पत्नी राग -रागिनी और तोड़ी के वियोग को पेंटिंग के माध्यम से प्रदर्शित करने का प्रयोग किया है।

वादी संवादी के अंतर्गत 'भारतीय संगीत में उपशास्त्रीय शैलियों की अवधारणा' विषय पर पंडित सज्जनलाल ब्रम्हभट्ट, भोपाल 'शास्त्रीय संगीत में साथ संगति' पंडित अरविंद आजाद, पुणे और 'शास्त्रीय गायन का पारंपरिक और वर्तमान स्वरूप' विषय पर पंडित विकास कशालकर पुणे का कार्यक्रम भी रखा गया। 16 दिसंबर को आयोजित संस्कृति विभाग द्वारा रखी गई प्रेस वार्ता में स्थानीय पत्रकारों ने कई महत्वपूर्ण सुझाव विभाग के अधिकारीयों के समक्ष रखे। समारोह को नगर के संगीत प्रेमियों को जोड़ने और सफल बनाने हेतु लोकगीत और संगीत को शामिल करना एक प्रमुख सुझाव था। यह सुझाव भी दिया गया कि तानसेन को विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में शामिल कर पढ़ाया जाना चाहिए। जिससे नई पीढ़ी के बच्चे तानसेन के बारे में जान सकें। यह बात भी सामने लाई गई की तानसेन के बारे में कोई अधिकृत जानकारी उपलब्ध नहीं है, उनके बारे में अनेक किवदंतियां है। उनके धर्म के बारे में भी भ्रांतियां हैं। लोग तानसेन को गूगल से सर्च करते हैं जो की अधिकृत नहीं है। संस्कृति विभाग को चाहिए कि तानसेन पर एक शोध कार्य किया जाना चाहिए और विस्तृत जानकारी का एक अधिकृत दस्तावेज तैयार कर संगीत प्रेमियों के सामने रखना चाहिए। उनके जन्म स्थान बेहट को एक स्मारक के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए जो कि आज एक उपेक्षित स्थान है। चन्दन दास (गजल गायक) विदुषी शुभा मुद्गल(गायन),पंडित नागराज राव हवलदार (गायन) ,पंडित रोनू मजूमदार (बांसुरी वादक), कमला शंकर (गिटार), पंडित प्रेम कुमार मालिक (ध्रुपद गायन) , यूजी नाकागावा (सारंगी) जापान , राहुल शर्मा (संतूर) और इसराइल से आये तावोर बेन दोर (सितार) एवं ताम्र क्लपर (तबला) तथा अन्य नामचीन कलाकारों की समारोह में प्रस्तुति इस समारोह की प्रतिष्ठा को बढ़ाता है और लोकप्रिय भी ।संगीत सभाएं दो सत्रों सुबह और सायंकालीन को आयोजित की गई। संगीत की प्रस्तुतियों के लिए बनाए गए मंच की पृष्ठभूमि में महेश्वर के किले की प्रतिकृति बनाई गई , जो आकर्षक लग रही थी। इस किले का निर्माण 1700 ई. में होलकर स्टेट की महारानी देवी अहिल्या बाई होलकर ने करवाया था।

इस समारोह में तानसेन सम्मान वर्ष 2023 तबला वादक पण्डित स्वपन चौधरी, कोलकाता को एवं राजा मानसिंह तोमर सम्मान वर्ष 2023 सानंद न्यास, इंदौर को प्रदान किया गया।

ग्वालियर की कंपकंपा देने वाली ठंड में संगीत रसिको की भीड़ इस आयोजन की सफलता को प्रदर्शित करती है और यह भी दर्शाती है कि पाश्चात्य संगीत के प्रति आकर्षण के बावजूद शास्त्रीय संगीत के प्रति अभी भी लोगों के जुनून में कोई कमी नहीं है। किसी भी आयोजन के लिए यह आवश्यक है कि श्रोताओं और प्रस्तुति करने वाले कलाकारों के बीच एक अच्छे उद्घोषक अथवा संचालन करने वाला हो जो समयबद्ध तरीके से प्रस्तुति की लिए कलाकारों को उनका परिचय कराते हुए आमंत्रित करे । इस समारोह में इस दायित्व को बखूबी से अनुभवी और मधुर आवाज के धनी उद्घोषक अशोक आनंद एवं मुकेश कुंदन थॉमस ने किया।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह पर स्कूली बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता आज

भोपाल (नप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के द्वारा 14 दिसम्बर से 21 दिसम्बर 2024 तक पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह मनाया जा रहा है। साथ ही बिजली बचाने को लेकर विभिन्न जागरुकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा भोपाल के चिनार पार्क में 20 दिसंबर को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:30 तक स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' थीम पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता के माध्यम से स्कूली छात्र-छात्राएं ऊर्जा बचत और संरक्षण के महत्व को समझेंगे। साथ ही चित्रों के माध्यम से अपनी अभिरूचि व्यक्त कर सकेंगे। इस अवसर पर उत्कृष्ट चित्रकारी करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने अमर शहीद रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खां और रोशन सिंह के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजिल अर्पित की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर शहीद रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खां और रोशन सिंह के बलिदान दिवस पर सादर श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए जागृत करने के अपने अटल संकल्प के लिए प्राणों की आहूति देने वाले अमर शहीदों के ऋण से राष्ट्र कभी उऋण नहीं हो सकेगा।

शाह का अंबेडकर पर बयान कांग्रेस ने किया मौन प्रदर्शन

भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर जमा हुए कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता

भोपाल (नप्र)। भारत रत्न डॉ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को लेकर लोकसभा में दिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर मध्यप्रदेश में भी कांग्रेस ने प्रदर्शन किया है। गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल ने शहर के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर अंबेडकर प्रतिमा पर आयोजित मौन प्रदर्शन में किया। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, विधायक आरिफ मसूद, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, निकेश चौहान प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस जोगी, झोपड़ी प्रकोष्ठ अध्यक्ष सहित वरिष्ठ कांग्रेस जन एवं युवा उपस्थित रहे।

सदन में अंबेडकर को लेकर कल ये कहा था शाह ने

'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर संसद में बुधवार को चर्चा चल रही थी। इसी दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपने भाषण के दौरान डॉ बीआर आंबेडकर की विरासत पर बोल रहे थे। शाह ने कहा कहा कि 'आजकल अंबेडकर का नाम लेना एक फैशन बन गया है। अंबेडकर, अंबेडकर, आंबेडकरज्इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।'

अमित शाह के इस बयान के बाद कांग्रेस सहित तमाम विरोधी दलों ने उन पर हमला बोलना शुरू कर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी से उनका इस्तीफा लेने की मांग कर दी। हालांकि, शाह ने आरोपों पर जवाब देते हुए कहा कि उनका बयान गलत तरीके से तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया।

प्रदेश भर में विरोध प्रदर्शन

अमित शाह के बयान पर आज भोपाल सहित पूरे एमपी में कांग्रेस और अलग-अलग संगठन विरोध प्रदर्शन करेंगे। भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, कांग्रेस संगठन प्रभारी राजीव सिंह सहित तमाम कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मुंह पर काली पट्टी बांधकर अंबेडकर प्रतिमा के सामने प्रदर्शन करेंगे।

प्रदेश की चरमराई कानून-शिक्षा व्यवस्था से बच्चों का भविष्य चौपट : जीतू पटवारी

स्कूलों से 22 लाख बच्चे गायब, मोहन सरकार मौन

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने अपने एक बयान में कहा है कि प्रदेश की कानून और शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त और चरमराई हुई है। स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या में चिंताजनक गिरावट दर्ज की गई है। मध्यप्रदेश की स्कूली शिक्षा के हालात इतने बदतर है कि पिछले आठ साल से स्कूलों से 22 लाख बच्चे गायब हैं, स्कूलों से रोज 1000 बच्चें कम हो रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में स्कूलों से बच्चों के गायब होने और कम होने के बावजूद भी स्कूल शिक्षा विभाग स्कूलों पर कोई उचित और दिखाई देने वाली सख्त कार्यवाही क्यों नहीं करती? दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि प्रदेश की मोहन सरकार भी बच्चों के गायब होने की इन अमानवीयता पर मूकदर्शक बनी मौन बैठी है।

श्री पटवारी ने प्रदेश में सरकारी शिक्षकों द्वारा बच्चों को स्कूल लाने वाले सरकारी मिशन पर सवाल उठाते हुये कहा कि जिस तरह से यह मिशन चलाया जा रहा है वह केवल कागजी ढकोसला बना हुआ है। स्कूल शिक्षा की अव्यवस्थाओं और लापरवाही के चलते कक्षा एक से पांच तक के 635434 बच्चे कम हुये हैं तो कक्षा 6 से 8 तक के 483171 बच्चे कम हुये हैं। इतना ही नहीं पिछले आठ साल में सरकारी स्कूलों में 12.23 लाख और निजी स्कूलों में 9.29 लाख बच्चे कम हुये हैं। यह जानकारी स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को विधायक प्रताप ग्रेवाल ने एक सवाल के जवाब में विधानसभा की कार्यवाही के दौरान दी है। श्री पटवारी ने कहा कि निजी स्कूलों में 2011 की कुल संख्या के आधार पर लगभग 20 प्रतिशत एवं सरकारी स्कूलों में 12 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि बच्चों की जनसंख्या में 12 प्रतिशत (12 लाख) की वृद्धि हुई है। इसका मुख्य कारण यह है कि सरकारी स्कूलों में लालफीताशाही और मूलभूत सुविधाओं की कमी और निजी स्कूलों में सरकार के संरक्षण में व्यापारीकरण और लूट-खसोट मची हुई है। श्री पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में आबादी बढ़ी, फिर भी गिरावट क्यों? मप्र में 2011 से 2023 के बीच जनसंख्या में 1 करोड़ से अधिक की वृद्धि हुई, लेकिन स्कूल जाने वाले बच्चों की संख्या घटती रही? स्कूल शिक्षा मंत्री द्वारा दिये गये बचकाने बयान के तहत यह कहा जा रहा है कि जो बच्चे कम हुए हैं, उसकी वजह पढ़ाई छोड़ना है। इसके अलावा प्राइमरी यानी पहली से पांचवी कक्षा तक जो 6 लाख बच्चे कम हुए हैं, उसकी वजह 0 से 6 साल के बच्चों की कमी होना है।

सीएम ने किया एबीवीपी के प्रांतीय सम्मेलन का उद्घाटन

बोले- आजादी के समय सत्ता के लिए राष्ट्रवादी विचार का दमन हुआ; उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे

गुना (नप्र)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 57वां प्रांतीय अधिवेशन गुना में गुरुवार से शुरू हुआ। तीन दिन चलने वाले इस अधिवेशन का शुभारंभ सीएम डॉ. मोहन यादव ने किया। इस मौके पर एबीवीपी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान भी मौजूद रहे।

सीएम डॉ. यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि परिषद के अधिवेशन में आकर बोलना रोमांच पैदा करता है और आनंद देता है। इसका एहसास अलग प्रकार का होता है। हमारे अतीत के कालक्रम पर जो बात कही है, वह एक, एक बात एकदम सही है।

दुनिया के कई देश अपनी शिक्षा को लेकर गौरवान्वित होते हैं कि हमारे पास सब है, लेकिन हम कहते हैं कि आपके कैंपस में विद्यार्थी परिषद नहीं है, तो सब फेल है। देश की आजादी के समय सत्ता के लालच में राष्ट्रवादी विचारधारा का दमन किया गया। इसके लिए उन्हें कभी माफ नहीं किया जाएगा।

विद्यार्थी परिषद सिखाता है कि सच्चा देशभक्त बनना। अपने अतीत के गौरव से जुड़कर भविष्य के लिए सोचना, इसी दृष्टि से हम आगे बढ़ेंगे। सर्वे भवन्तु की सोच के साथ जीवन गुजारे, केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि व्यावहारिक ज्ञान के साथ हम आगे बढ़ें, इसी सोच के साथ विद्यार्थी परिषद काम करती है।

दुनिया में आज भारत का मान बढ़ रहा- सीएम ने कहा- दुनिया में आज भारत का मान बढ़ रहा है। आने वाले समय में जल की उपलब्धता के आधार पर मध्यप्रदेश इस नई पीढ़ी के माध्यम से आगे बढ़ेगा। सरकार का प्रयास है कि एक एक इंच जमीन पर सिंचाई का रकबा बढ़ना चाहिए। नदी जोड़ने की कल्पना अटल बिहारी वाजपेयी ने की थी।

मोदी जी के नेतृत्व में इस योजना का अमल शुरू हो गया है। हमारी युवा पीढ़ी केवल रोजगार मांगने वाली नहीं, बल्कि रोजगार देने वाली बननी चाहिए। इसी सोच के साथ

हमारी सरकार काम कर रही है, इसलिए जगह-जगह इंडस्ट्रियल कॉनक्लेव किए हैं।

आज की स्थिति में प्रदेश में 30 मेडिकल कॉलेज हैं। अगले एक साल में 52 मेडिकल कॉलेज हमारे यहां होंगे। केवल एलोपैथी में ही नहीं, आयुर्वेदिक में भी पांच मेडिकल कॉलेज जल्द शुरू हो रहे हैं। गुना में एग्रीकल्चर की सीट होगी, ये घोषणा यहीं से करते हैं, जो भी रोजगार देने वाले कोर्स हैं, वो खोलने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

यह वीरों की धरती है - आशीष चौहान- राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने कहा कि यह बहुत सुंदर अवसर है। यह जगह चंबल और मालवा का द्वार कहा जाता है। यह टेकरी सरकार की धरती है। यह वीरों की धरती है। विद्यार्थी परिषद ने मांग उठाई कि देश का नाम भारत होना चाहिए। संविधान की चर्चा हिंदी में भी होना चाहिए। हम सभी को जोड़ने की कोई एक भाषा होनी चाहिए। अपने शैशव काल में ही विद्यार्थी परिषद ने इस पर चर्चा की।

पहली विचार बैठक में ही शिक्षा परिवार का कॉन्सेप्ट लेकर आए। देश के सुदूर कोनों तक विद्यार्थी परिषद की पहुंच है। आज हम आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी सहित मेडिकल कॉलेजों के बीच में काम कर रहे हैं। हम कार्यकर्ता निर्माण का काम कर रहे हैं।

अधिवेशन की स्वागत समिति के अध्यक्ष राजेश मोहन अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री यहां उपस्थित इस छात्र शक्ति को ऐसा कोई मूल मंत्र दें कि गुना में आयोजित ये अधिवेशन राष्ट्र के निर्माण में मील का पत्थर साबित हो।

मुख्यमंत्री का शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हाल ही में तात्या टोपे यूनिवर्सिटी की सौगात गुना जिले को मिली है। उन्होंने उपस्थित जन समुदाय से निवेदन किया कि हमारी भावी पीढ़ी को दूषित वातावरण से बचाते हुए विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रवादी विचारधारा से जोड़ने के लिए पुरजोर प्रयास करें।प्रांत मंत्री संदीप वैष्णव ने कहा कि विद्यार्थी परिषद ने कई आंदोलनों का नेतृत्व किया है। छात्र शक्ति, राष्ट्र शक्ति के विचार के साथ विद्यार्थी परिषद आगे बढ़ता है।

पहली बार एबीवीपी का प्रांत सम्मेलन - अपनी स्थापना के बाद से पहली बार एबीवीपी का प्रांत सम्मेलन गुना में आयोजित किया गया है। इसको लेकर दो महीने से तैयारियां शुरू हो गई थीं। तीन दिन तक यह सम्मेलन चलेगा। अधिवेशन स्थल से 20 दिसंबर को दोपहर बाद एक भव्य शोभा यात्रा शहर के विभिन मार्गों से होते हुए शास्त्री पार्क तक जाएगी।

यह शोभा यात्रा लगभग 3 किमी लंबी रहेगी, जिसका स्वागत विभिन्न स्थानों पर शहर के नागरिकों द्वारा किया जाएगा। इसके समापन पर एक खुला अधिवेशन भी होगा। इस संपूर्ण व्यवस्था को संभाल करने के लिए अभाविप गुना विभाग के कार्यकर्ता लगे हुए हैं।

इस अधिवेशन की व्यवस्था को 15 गट में विभाजित किया है, 15 गटों में 59 विभाग बनाए गए है। इन संपूर्ण व्यवस्था में 200 से अधिक वर्तमान कार्यकर्ता लगे हुए थे।इसके बाद डेलीगेट सत्र शुरू होंगे। इसमें कई प्रस्ताव पेश किए जाएंगे 20 दिसंबर की सुबह भी प्रस्ताव पेश होंगे और उन पर चर्चा होगी। 20 दिसंबर को दोपहर 3 बजे से जुलूस निकाला जाएगा। स्टेडियम से शुरू होकर जुलूस शास्त्री पार्क पहुंचेगा।

यहां एक मंचीय कार्यक्रम होगा। इसके बाद जुलूस वापस स्टेडियम पहुंचेगा, शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। 21 दिसंबर को सुबह के सत्र में पेश किए गए प्रस्तावों पर चर्चा होगी और उन्हें पारित किया जाएगा। शाम के सत्र में संगठनात्मक घोषणाएं होंगी। इसमें कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी।

सुपर स्पेशियेलिटी सुविधाओं का विस्तार करने के लिये सरकार प्रतिबद्ध : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

रीवा में एक ही दिन में 2 मरीजों के सफल किडनी प्रत्यारोपण पर दी बधाई

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सुपर स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल रीवा में सफल दोहरे किडनी प्रत्यारोपण के लिए संपूर्ण चिकित्सा टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदूर क्षेत्रों तक सशक्त और सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह सफलता राज्य के हर हिस्से में सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं को विस्तार देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। रीवा में यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने का कार्य करेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार अंग प्रत्यारोपण जैसे जटिल चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक संसाधनों और विशेषज्ञता को हर मेडिकल संस्थान में सुलभ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने इस उपलब्धि को रीवा और पूरे प्रदेश के लिए गर्व का क्षण बताते हुए टीम की मेहनत और समर्पण की सराहना की।

सुपर स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल, रीवा में ट्रांसप्लांट फिजिशियन और नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. रोहन द्विवेदी और ट्रांसप्लांट सर्जन व यूरोलॉजिस्ट डॉ. पुष्पेंद्र शुक्ला के नेतृत्व में एक ही दिन में दो मरीजों का सफलतापूर्वक किडनी प्रत्यारोपण किया गया। इनमें से एक महिला मरीज को उनकी माता द्वारा और एक पुरुष मरीज को उनके बड़े भाई द्वारा किडनी दान की गई। दोनों मरीज स्वस्थ हैं और 17 दिसंबर को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिए गए हैं। यूरोलॉजी विभाग के डॉ. विवेक शर्मा, डॉ. आशीष घनघोरिया, डॉ. बृजेश तिवारी और डॉ. विजय शुक्ला, निश्चेतना विभाग के डॉ. आलोक प्रताप सिंह, डॉ. सुभाष अग्रवाल, डॉ. राजीव द्विवेदी, डॉ. रवि प्रकाश सिंह, और डॉ. एल. पी. सिंह सहित ओटी और केटीयू स्टाफ ने इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय बाल रंग की शुरूआत 20 से

22 राज्यों के बच्चे बाल रंग में कर रहे हैं भागीदारी

भोपाल (नप्र)। विद्यालयीन छात्र-छात्राओं में सृजनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के मकसद से 3 दिवसीय राष्ट्रीय बाल रंग की शुरूआत 20 दिसम्बर से भोपाल के श्यामला हिल्स स्थित इंदिरा मानव संग्रहालय में हो रही है। स्कूल शिक्षा विभाग का राष्ट्रीय बाल रंग स्कूली बच्चों की सृजनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित कर अभिव्यक्ति के विविध अवसर प्रदान करता है। यह महोत्सव भारत की शाश्वत संस्कृति का संदेश वाहक है। अनेकता में एकता, भारतीय संस्कृति की विशेषता है। अपनी सांस्कृतिक विशिष्टता का सहेजे विभिन्न प्रांतों के बच्चे यहां पहुंचते हैं।

20 दिसम्बर को बाल रंग में राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं प्रातः 10 बजे से शुरू होंगी। बालरंग समारोह का शुभारंभ स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह करेंगे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में सांस्कृतिक, साहित्यिक, निबंध लेखन, चित्रकला और केलीग्राफी प्रतियोगिताएं मुख्य रूप से आयोजित होंगी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 9 संभागों के करीब एक हजार बच्चे विभिन्न प्रतियोगिताओं में सहभागिता करेंगे।

राष्ट्रीय बाल रंग

21 और 22 दिसम्बर को देश के 17 राज्यों सहित 5 केन्द्र शासित प्रदेश के 15 हजार बच्चे विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। राष्ट्रीय बाल रंग में लोक नृत्य प्रतियोगिता होगी। इनमें हिमाचल प्रदेश, बिहार, पंजाब, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मध्यप्रदेश, सिक्किम, गोवा, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर, गुजरात, कर्नाटक, हरियाणा, तेलंगाना, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली, झारखंड, दिल्ली, छत्तीसगढ़ एवं पुडुचेरी शामिल हैं।

स्कॉउट केम्प

इंदिरा मानव संग्रहालय में बच्चों में साहसिक एवं अनुशासन की भावना को मजबूत करने के लिये स्काउट केम्प भी लगाया जायेगा। इनमें बच्चे जंगल केम्प, रिवर क्रॉसिंग, मंकी ब्रिज, कमांडो ब्रिज, वॉच टॉवर, रॉक क्लाईम्बिंग और वॉल रेपलिंग जैसी गतिविधियों में अपना प्रदर्शन करेंगे।

विजन-2047 पर केन्द्रित सजीव प्रदर्शनी

बाल रंग के दौरान 20 से 22 दिसम्बर तक विजन-2047 थीम के अंतर्गत बच्चों द्वारा निर्मित सामग्री का प्रदर्शन किया जायेगा। प्रदर्शनी में देश की विविधता वाली संस्कृति देखने का अवसर भी मिलेगा। इनमें जीवन कौशल, एक भारत श्रेष्ठ भारत, खेलो इंडिया, श्री अन्न खाद्यान्न, व्यावसायिक शिक्षा से रोजगार, अंतरिक्ष विज्ञान, जलवायु परिवर्तन विषय को प्रमुख रूप से शामिल किया गया है।

फूड जोन

बाल रंग में विभिन्न राज्यों के व्यंजनों के स्टॉल भी लगाये जायेंगे। इसके साथ ही परिसर में हस्तशिल्प पर केन्द्रित प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी।

प्रतियोगिताएं

बाल रंग में तात्कालिक भाषण, लोक गीत, शास्त्रीय नृत्य, सुगम संगीत, सामुहिक लोक नृत्य, दिव्यांगजनों की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं, वेद पाठ, नृत्य नाटिका, योग जैसी अनेक प्रतियोगिताएं होंगी। बाल रंग में 20, 21 और 22 दिसम्बर को प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजन होंगे।

एएसआई ने पत्नी और साली से 'निर्भया' जैसी दरिंदगी की

दोनों की बॉडी पर चाकू के 21 वार मिले ; निचले हिस्से में भी गहरे घाव

भोपाल (नप्र)। भोपाल में खादी-ग्रामोद्योग विभाग की वित्त लेखाधिकारी और उनकी बड़ी बहन के साथ एएसआई जीजा ने निर्भया जैसी दरिंदगी की थी। पोस्टमॉर्ट्म रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है।

योगेश मरावी ने 3 दिसंबर की सुबह 11 बजे पत्नी विनीता (35) और साली वित्त लेखाधिकारी मेघा उइके (30) की चाकू से गोदकर हत्या की थी। दोनों के शव फ्लैट में मिले थे। मेघा के पेट, कमर और प्राइवेट पार्ट के बेहद करीब चाकू से कुल 14 वार किए थे।

वहीं, विनीता के प्राइवेट पार्ट के बायीं तरफ करीब एक इंच दूर गहरा घाव मिला है। विनीता की बॉडी पर कुल 7 घाव मिले हैं। इनमें कमर पर दो, पेट, बाएं हाथ के अंगूठे पर एक वार भी शामिल हैं। आरोपी योगेश मंडला जिले में एएसआई था। घटना के बाद उसे सस्पेंड कर दिया गया था। उसका प्लान पत्नी की जान-पहचान वाले एक एसआई की हत्या के बाद खुदकुशी करने का था। हालांकि, 3 दिसंबर की शाम को ही उसे मंडला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

योगेश ने ढाबे पर लिखा था सुसाइड नोट- योगेश मंडला से भोपाल तक किराए की टैक्सी में आया था। इस टैक्सी के ड्राइवर के भी पुलिस ने बयान दर्ज किए हैं। उसने बताया कि एक ढाबे पर खाना खाने रुके थे। तब उसने देखा कि योगेश सुसाइड नोट लिख रहा है। इसकी जानकारी उसने अपने मालिक को कॉल कर दी।

मालिक ने कहा कि एएसआई है, किसी और के लिए कुछ लिखा-पढ़ी कर रहा होगा। हत्या के बाद जब आरोपी इसी कार से लौटा, तब उसकी शर्ट पर खून के धब्बे साफ

दिखाई दे रहे थे। इसकी जानकारी भी ड्राइवर की ओर से मालिक को फोन पर दी गई थी।

मेघा उइके भांप चुकी थी जीजा के मंसूबे- योगेश मरावी के मंसूबे को उसकी साली मेघा उइके पहले ही भांप चुकी थी। उसे आशंका थी कि योगेश कुछ गलत कर सकता है। 27 नवंबर को मेघा ने अपनी ऑफिशियल मेल आईडी से बालाघाट और मंडला के एसपी को शिकायत भी भेजी थी। इनमें बताया था कि योगेश ने घर-ऑफिस आकर हमारे बारे में लोगों से गंदी बातें बोली हैं। उससे जान का खतरा है।

मेघा के मोबाइल में शिकायत की पीडीएफ कॉपी मिली है। यह बालाघाट आईजी के नाम है। इसमें मेघा के साइन के साथ 27 नवंबर 2024 की डेट तो है, लेकिन पुलिस की सील नहीं है। इतना ही नहीं, मेघा उइके इसके पहले 21 नवंबर को भी जीजा योगेश मरावी के खिलाफ भोपाल के एमपी नगर थाने में शिकायत दर्ज करा चुकी थी।

आरोपी बोला- पत्नी को छोड़ना नहीं चाहता था

आरोपी योगेश ने पुलिस को बताया कि वह पत्नी विनीता को छोड़ना नहीं चाहता था। उसके साथ रहना चाहता था। इसके लिए हरसंभव कोशिश कर चुका था। वह साथ रहने को राजी नहीं थी। विनीता ने ही तलाक के पेपर तैयार कराए, नोटिस भेजा। यह सब वह अपनी बहन मेघा के कहने पर कर रही थी।

मैं विनीता से बेहद प्यार करता था। उसकी हर गलती को माफ किया। मेघा लगातार उसका ब्रेन वॉश करती थी। फोन पर बात भी नहीं करने देती थी। हमारे रिश्ते के बीच आकर उसने सब कुछ बेहद खराब कर दिया था।

विनीता चार साल पहले बिना बताए एक अन्य व्यक्ति के साथ चली गई थी। इसके बाद भी उसे साथ रखने के लिए राजी था लेकिन वह मानने को तैयार नहीं थी। हत्या के सिवा कोई और रास्ता नहीं सूझा। उसकी भी हत्या करना चाहता था, जिसके संपर्क में विनीता थी। इसके बाद खुदकुशी कर लेता। योगेश ने पुलिस को बताया कि वह पत्नी विनीता को साथ रखना चाहता था, लेकिन मेघा उसे कंट्रोल करती थी।

आरोपी का नोट- 17 साल की शादी और 8 दिन भी साथ नहीं रहे

योगेश के पास से बरामद नोट में उसने अपने पिता को संबोधित करते हुए लिखा-मैं विनीता के साथ खुशहाली से रहना चाहता था। उस पर अलग होने का भूत सवार है। 17 साल की शादी में 8 दिन भी हम साथ नहीं रह सके। मेघा के बहकावे में आकर वह सब कुछ गलत कर रही है। मैं इसी कारण दोनों बहनों की हत्या कर रहा हूं।

5 मिनट में क्राइम ब्रांच टीआई के घर चोरी

बदमाश ने डॉग को स्टोर रूम में बंद किया, दिनदहाड़े ताला तोड़ा, सीसीटीवी में हुआ कैद

भोपाल (नप्र)। भोपाल क्राइम ब्रांच के टीआई अशोक मरावी के सरकारी आवास में चोरी हो गई। एक लाख रुपए कैश, सोने की चेन और अंगूठी चोरी गई है। घटना बुधवार दोपहर की है।

पूरी वारदात को महज 5 मिनट में अंजाम दिया गया। अकेला बदमाश 12.22 बजे घर में दाखिल हुआ और 12.27 बजे सामान चोरी कर बाहर निकल गया। घर के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज में आरोपी आता-जाता दिखा है। हबीबगंज पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

चोर ने रेकी कर इस वारदात को अंजाम दिया। इस बात की पूरी संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है टीआई के घर एक डॉग भी है। उसे स्टोर रूम में बंद करने के बाद वारदात को अंजाम दिया गया है।

बेटे को स्कूल से घर छोड़ने आए टीआई, तब पता चला

हबीबगंज थाना प्रभारी अजय सोनी ने बताया कि घटना के समय अशोक मरावी क्राइम ब्रांच ऑफिस में थे। उनकी पत्नी किरण पुलिस ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट में पदस्थ हैं। वे सुबह ही पीटीआरआई स्थित कार्यालय निकल गई थीं। बेटा स्कूल गया था। घर पर ताला लगा हुआ था। इस बीच बदमाश ने वारदात की। टीआई दोपहर में बेटे को स्कूल से घर छोड़ने आए, तब चोरी का पता चला। एडिशनल डीसीपी रश्मि अग्रवाल दुबे ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाश का पता लगाया जा रहा है।

रॉड से लॉक तोड़ा, सीसीटीवी में चेहरा नजर आया

बदमाश रॉड लेकर पहुंचा था। उसने इसी के जरिए दरवाजे पर ताला तोड़ने का प्रयास किया, तो कुंडी सहित लॉक बाहर आ गया। फुटेज में दिख रहे बदमाश की उम्र 35 से 40 साल के आसपास बताई जा रही है। फुटेज में उसका चेहरा नजर आया है। पुलिस की टीमें भागने वाला रूट को ट्रेस कर रही हैं। एडिशनल डीसीपी रश्मि अग्रवाल दुबे ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। हबीबगंज थाना सहित क्राइम ब्रांच की टीमें बदमाश की तलाश में लगी हुई हैं।

सुरक्षा व्यवस्था पर खड़े हुए सवाल

6 नंबर के पास टीआई के जिस घर में चोरी हुई, वहां सरकारी आवास हैं। अधिकतर आवास में सरकारी अधिकारी रहते हैं। ऐसे इलाके में चोरी होना सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर रहा है। चोर ने जिस अंदाज में वारदात को अंजाम दिया, पुलिस को शक है कि उसे पहले से पता था कि घर पर कोई नहीं है।

संपादकीय

अंबेडकर के नाम पर सियासी एजेंडा

राज्यसभा में संविधान पर चर्चा पर बोलते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जिस तरह से संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर पर टिप्पणी की और उसके बाद राजनीतिक दलों में खुद को बड़ा अंबेडकर भक्त साबित करने की जैसी होड़ मची है, वह राजनीतिक शोशेबाजी ज्यादा है, बजाए बाबा साहब के बताए रास्ते पर ईमानदारी से अमल करने के। ज्यादातर विश्लेषकों का मानना है कि अमित शाह ने जिस तरह अंबेडकर को लेकर कांग्रेस पर हमले किए, वो सियासी नजरिए से भले ठीक हों, लेकिन उनका लहजा बहुत सकारात्मक नहीं था। यही कारण है कि शाह के आरोपों से भड़की कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शाह को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग कर डाली। लेकिन यह होना नहीं था क्योंकि शाह ने जो कहा था वो भाजपा और मोदी सरकार की सोची समझी रणनीति का हिस्सा है। भाजपा कांग्रेस और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को अंबेडकर विरोधी साबित करना चाहती है, जिससे कांग्रेस व अन्य विपक्षी पार्टियां बिफर गई हैं। अमित शाह ने अपने भाषण में गिन-गिन कर नेहरू पर हमले किए और कहा कि उन्हीं की वजह से अंबेडकर को मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा और कांग्रेस ने उन्हें कभी चुनाव नहीं जीतने दिया। शाह ने यह आरोप भी लगाया कि नेहरू आरक्षण विरोधी थे, जिससे अंबेडकर दुखी थे। इसी कारण उन्होंने सरकार से अलग होना बेहतर समझा। लेकिन शाह की जिस टिप्पणी पर सबसे ज्यादा हंगामा मचा है और विरोधी पार्टियों से इस पर मोदी सरकार को सड़कों पर घेरने का ऐलान कर दिया है, वह यह थी कि 'अभी एक फ़ैशन हो गया है.. अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।' कांग्रेस को अंबेडकर विरोधी साबित करने के पीछे की रणनीति यही है। हालांकि उन्होंने जो कहा वो तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह सही नहीं था। शाह के भाषण के इस अंश पर भारी हंगामा मचा और इसे अंबेडकर की अवमानना और दलितों के प्रति भाजपा और संघ की सोच से जोड़कर दिखाने की कोशिश विपक्षी पार्टियां कर रही हैं। देश में दलितों की आबादी 16.6 प्रतिशत है। मंडल कमंडल राजनीति के पहले तब दलित आबादी मोटे तौर कांग्रेस के साथ थी। भले ही कांग्रेस ने अंबेडकर के साथ कैसा भी सलूक किया हो। लेकिन बीते तीन दशकों में यह समीकरण बदला है। दलित वोट अब दलित पार्टियों, भाजपा और अन्य दलों में बंट गया है। इसी वोट बैंक की छीना झपटी राष्ट्रीय और राज्यों के स्तर पर जारी है। कांग्रेस को लगता है कि जब तक दलित आदिवासी वोट बैंक उसके पास पहले की तरह वापस नहीं आता, तब तक दिल्ली में सत्ता वापस पाने की संभावना बहुत कम है। इस बीच दलित पार्टियों की पकड़ भी दिशाहीनता के कारण दलितों में घटी है, जबकि भाजपा का कैनवास बढ़ रहा है। द्वारा कांग्रेस को अंबेडकर विरोधी साबित करने के पीछे की रणनीति यही है। हालांकि उन्होंने जो कहा वो तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह सही नहीं था। विपक्ष के हमलों के बीच अमित शाह ने प्रेस कांफ्रेंस कर सफाई दी कि उनके बयान तो तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। लेकिन हकीकत यह है कि शाह उन बिरले नेताओं में है, जो एक-एक शब्द भी तौल कर बोलते हैं। संघ और भाजपा ने दलित वोटों में बड़े पैमाने पर घुसपैठ की है। और वहां भी प्रभावी दलित और कमजोर दलित जातियों में नए सिरे से गोलबंदी की है। यह हमने हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणामों में देखा। अंबेडकर के अपमान के बहाने भाजपा की दलितों में पैठ को रोकना विपक्ष का एजेंडा है। कितना कामयाब होगा, कहना मुश्किल है।

नजरिया

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लेखक स्तंभकार हैं।

मोदी के नेतृत्व में साकार हुआ नदी जोड़ने का सपना

राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच पार्वती, कालीसिंध, चंबल ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट यानीकि पीकेसीईआरसीपी के एमओयू को एक साल से भी कम समय में एमओए यानी कि मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट में तब्दील होना राजनीतिक इच्छाशक्ति और गारंटी को हकीकत में बदलने के जुनून के रुप में देखा जाना चाहिए। देश में नदी जोड़ों परियोजनाओं का सपना देखा गया था जो अब धरातल पर उतरता जा रहा है। राजस्थान जैसे पानी की किल्लत से जूझते प्रदेश के लिए पीकेसीईआरसीपी को पूर्वी राजस्थान के लिए तो गंगा अवतरण से कम नहीं आंका जा सकता।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भजन लाल शर्मा सरकार के एक साल पूरे होने के अवसर पर इस परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत कालीसिंध नदी पर 1069 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित नवनेरा बैराज का लोकार्पण किया। परियोजना के प्रथम चरण में पेयजल के लिए कूल नदी पर रामगढ़ बैराज, पार्वती नदी पर महलपुर बैराज और नवनेरा बांध में संग्रहित जल के उपयोग हेतु नवनेरा-गलवा-बीसलपुर-ईसरदा (एनजीबीआई) लिंक परियोजना के तीन पैकेज के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इन पैकेज में 9416.70 करोड़ रुपए की लागत से नवनेरा बैराज से गलवा बांध होते हुए बीसलपुर व ईसरदा बांध तक जरूरत के अनुसार जल प्रत्यावर्तन के लिए नहर तंत्र, पम्पिंग स्टेशन एवं पाइपलाइन का निर्माण कार्य किया जाएगा।

संशोधित पार्वती-कालीसिंध चंबल (एकीकृत ईआरसीपी) परियोजना पूरी होने पर राजस्थान के 21 जिलों में रहने वाले लगभग सवा तीन करोड़ लोगों को सुलभ पेयजल की उपलब्धता के साथ साथ लगभग ढाई लाख हैक्टेयर नये क्षेत्र में सिंचाई तथा लगभग डेढ लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हेतु अतिरिक्त पानी की व्यवस्था हो सकेगी। लाभान्वित जिलों में झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, टोंक, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, दौसा, करौली, धौलपुर, भरतपुर, डीग, अलवर, खैरतल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़, जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, दूदू, अजमेर, ब्यावर और केकड़ी शामिल है।

राजनीतिक आलोचना-प्रत्यालोचना को अलग कर दिया जाए तो यह साफ है कि पीकेसीईआरसीपी परियोजना के क्रियान्वयन की शुरुआत राजस्थान जैसे प्रदेश के लिए तो बहुत बड़ी उपलब्धि है। भले ही पीकेसी ईआरसीपी से पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के नागरिकों और किसानों को सीधा सीधा लाभ मिलेगा। इससे प्रदेश में पेयजल, सिंचाई के लिए पानी, औद्योगिक विकास, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और इसी तरह के अनेक फायदे सीधे सीधे होने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गॉरन्टी और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा कार्यभार संभालने के एक माह से भी कम समय में राजस्थान के लिए

जीवनदायी इस परियोजना पर सहमति बनवाना और एमओयू कर क्रियान्वयन के स्तर पर लाना अपने आप में बड़ी बात थी और आज उससे भी बड़ी बात एमओयू को एमओए में बदलना है। करीब 21 साल पुराना सपना पार्वती-कालीसिंध-चंबल इस्टर्न राजस्थान केनाल परियोजना को लेकर केन्द्र सरकार, राजस्थान व मध्यप्रदेश के बीच संपन्न करार के साथ ही साकार होने लगा है। राजस्थान नहर के बाद यह अपने आप में सबसे बड़ा प्रोजेक्ट होगा जिससे 13 जिलों के रहवासियों की सभी तरह की पानी की जरुरत पूरी हो सकेगी। इसके साथ यह भी महत्वपूर्ण होगा कि हर साल बरसात सीजन में बाढ़ के कारण जन-धन और फसलों की बर्बादी का कारण बनने वाला यह पानी पानी की समस्या से जूझ रहे प्रदेशवासियों के काम आ सकेगा। बेकार बह जाने वाला पानी संग्रहित होगा, धरती, यहां के निवासियों और मवेशियों की प्यास बुझाने के काम आ सकेगा। इस परियोजना में राजस्थान को 4103 एमसीएम पानी मिलेगा वहीं मध्यप्रदेश को 3000 एमसीएम पानी मिलेगा। सात साल बाद इस परियोजना के पूरे होने के बाद जहा प्रदेश की 3.25 करोड़ आबादी की पानी की जरुरत पूरी होगी वहीं करीब ढाई लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा। सही मायने में कहा जाए तो प्रकृति की अनमोल धरोहर पानी के आने से भविष्य में ना तो बाढ़ से जूझना पड़ेगा और ना ही सूखे के लिए उपरवाले को दोष देना पड़ेगा।

दरअसल नदियों के बरबाद होते पानी का सही उपयोग तय करने के लिए 1999 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना आरंभ की थी। यह योजना सिरे से चढ़ती उससे पहले ही 2004 में नई सरकार आते ही इस परियोजना को ठंडें बस्ते में ड़ाल दिया गया। इसके बाद 2012 में सर्वोच्च न्यायालय ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को जारी रखने के केन्द्र सरकार को निर्देश दिए। राष्ट्रीय जल विकास प्राधिकरण द्वारा 44605 करोड़ की लागत से केन-बेतवा लिंक परियोजना पर काम किया जा रहा है। गंगा नदी पर करीब एक हजार बांध हैं तो गोदावरी पर 350 के आसपास बांध है। इन बांधों पर पानी को सहेजते हुए नदियों के पानी को अनुपयोगी व बर्बादी का कारण बनने से बचाने के स्थान पर क्षेत्रों में पानी की समस्या का समाधान किया जाता है। मोटे रुप से देखा जाए तो नदियों को जोड़ने से पानी की बर्बादी यानी कि बाढ़ के कारण तबाही व समुद्र में समाहित होने से बचाकर पानी की समस्या के समाधान के लिए तो किया ही जा सकता हैं वहीं सूखे की समस्या का हल, खेती के लिए पानी की उपलब्धता और लोगों के पेयजल की समस्या का समाधान संभव है। राजस्थान नहर इसका जीता जागता उदाहरण है जिससे मरु प्रदेश और सर्वाधिक उपजाऊ और उत्पादक हिस्सा बनने के साथ ही समग्र विकास का माध्यम बन गई है।

जहां तक पार्वती, कालीसिंध, चंबल ईस्टर्न राजस्थान केनाल परियोजना का प्रश्न है। यह राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार व केन्द्र से सहमति नहीं बनने के कारण लंबे समय से आगे नहीं बढ़ पा रही थी। नई सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल और केन्द्र व मध्यप्रदेश सरकार के सहयोग से यह परियोजना धरातल पर उतरने की स्थिति में आ गई है। यदि तय समय सात साल में यह परियोजना धरातल पर आ जाती है, जिस पर आज की सरकार की प्रतिबद्धता को देखते हुए संदेह का कोई कारण नहीं दिखता, राजस्थान और मध्यप्रदेश दोनों की ही तस्वीर बदल जाएगी। राजस्थान के21 जिले और मध्यप्रदेश के 13 जिले इस परियोजना से लाभान्वित होंगे। बैराज, कृत्रिम जलाशयों और बांध निर्माण से 159 बांधों को भरा जा सकेगा। बीसलपुर की क्षमता भी बढेगी तो रामगढ़ बांध के भी भरने के सपना भी पूरा हो सकेगा। सबसे बड़ी बात कि चंबल और उसकी सहायक नदियों के जुड़ने से बाढ़ के कारण विनाश का कारण बनने वाले पानी का सदुपयोग हो सकेगा। पेयजल से लेकर खेती किसानी और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। यह सब सरकार की इच्छाशक्ति और उसे समय पर अमली जामा पहनाने से ही संभव हो सकेगा। शुरुआत स्वागतीय है और माना जाना चाहिए कि आने वाले समय में और अधिक तेजी से पीकेसीईआरसीपी के कार्य को गति मिलेगी।

अलविदा 2024

आर बी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

ईवीएम, लाड़ली बहना से लाड़की में बीता सिंहासन चौबीसा

साल 2024 के बीतने में महज कुछ दिन ही शेष हैं। इस सालाना कर्मकांड में क्या भूलूं क्या याद करूं की तरह घटनाएं मन मस्तिष्क में एक एक कर उभर रही है। इनमें सबसे ऊपर है सियासती घटनाक्रम और चुनाव चालीसा। लोकसभा चुनाव में अबकी बार चार सौ पार की बजाय कश्ती किनारे तक पहुंचने से चूक गई। सो, वैशाखी के सहारे किसी तरह नैया पार कराई जा रही है। पूरे साल ईवीएम मशीन के पक्ष- विपक्ष में दलीलें, इस मशीन को लेकर तमाम संदेह और आशंकाओं के बीच हरियाणा और महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव के नतीजे कुछ ओर तो झारखंड तथा सरहदी संवेदनशील सूबे जम्मू-कश्मीर विधान सभा के चुनाव अलग-अलग नतीजों पर आकर टिके। इन चुनावों में ज्यादातर अनुमान एक्जिट पोल गलत साबित हुए तथा इनके ऊपर प्रश्न चिन्ह भी लगे। अब नये साल में दिल्ली विधान सभा के चुनाव की बारी है तो बिहार के चुनाव भी ज्यादा दूर नहीं है। दिल्ली चुनाव के लिये भी सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने लाड़ली बहना जैसी ही योजना से महिलाओं को अपने पक्ष में करने की कवायद शुरू कर दी है।

हमारे देश में चुनाव का चक्र एक सदैव चलने वाली अनिवार्य प्रक्रिया या सिलसिले का रूप ले चुका है। हालांकि इसमें कोई बुराई भी नहीं है । लेकिन अब हाल ही में लोकसभा में प्रस्तुत एक देश एक चुनाव विधेयक का विपक्षी खेमा पुरजोर विरोध कर रहा है। इसे दृष्टिगत रखकर अब यह विधेयक जेपीसी के समक्ष जायेगा। जेपीसी का गठन भी कर दिया गया है। इसे लागू करने के लिये भी पांच से दस साल की बात की जा रही है। महिलाओं के आरक्षण विधेयक को भी पारित हो जाने के बाद धरातल पर आने में बरसों लग जायेंगे। चुनाव जब भी हो इस बात पर कभी आम सहमति बनेगी भी कि चुनाव ईवीएम से होते रहें या बेलट पेपर के जरिये हों। सारे विपक्षी दल इस बात पर लामबंद हैं कि चुनाव बेलट पेपर के जरिये हो। हालांकि इस मुद्दे पर सभी के बीच मतैक्य फिलहाल नहीं है।

चुनावों के ऐन पहले रेवड़ी या खैरात बांटने जैसी लोक लुभावन योजनाओं-घोषणाओं का चलन है। तभी मध्यप्रदेश में धूम मचाने के बाद लाड़ली बहना योजना महाराष्ट्र में लाड़की तो झारखंड में मइया सम्मान योजना चुनाव वेतरनी को पार लगा देती है। इसमें एंटी इंकमबेन्सी जैसे कहीं गौण हो जाती है। लोक लुभावन योजनाओं को चुनावी रेवड़ी बांटने का कहने वाले जब खुद ऐसा ही करते नज़र आते हैं तो लाजमी है कि कथनी- करनी का भेद साफ नजर आता है। इसे, हम करें तो पुण्य ओर करें तो पाप की उक्ति से भी समझा जा सकता है। अब दिल्ली के आसन्न चुनाव में भी यही होने जा रहा है तो आश्चर्य क्यों?

लोकसभा चुनाव के बाद हालिया संपन्न विधान सभा चुनावों में एकाधिक सूबे (महाराष्ट्र, हरियाणा) में विपक्षी गठबंधन इंडिया की पराजय को लेकर बहुत सारी टीका टिप्पणियां सामने आई हैं। खबरिया चैनलों पर इस विषय को लेकर राजनीति के विशेषज्ञ डिबेट करते रहे। यह सिलसिला अभी तक जारी है। प्रिन्ट मीडिया में प्रकाशित आलेख और टिप्पणियों में प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस को ज्ञान देने में लेखक, समीक्षक पीछे नहीं रहे। लेकिन विचारणीय मुद्दा यह है कि जब सभी लोग सोचते हैं कि इस बार ऐसा होगा तब वैसा नहीं होकर उसके उलट होने का चमत्कार कैसे हो जाता है। फिर ईवीएम और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल नहीं उठेंगे तो क्या होगा? आखिर विपक्षी गठबंधन इंडिया में अब एकमत- एकराय नहीं बची इसका बारंबार दुष्प्रचार कौन लोग कर रहे हैं और गठबंधन के नेतृत्व परिवर्तन की बात किन लोगों द्वारा की जा रही है। अगर ईवीएम मशीन के जरिये चुनाव निरापद होते हैं और स्वतंत्र, निष्पक्ष होते हैं तो यह ना केवल दिखें बल्कि महसूस भी होना चाहिये। फिर जो लोग इसकी निष्पक्षता पर सवाल कर रहे हैं उन्हें विश्वास में लेने में हर्ज ही क्या है?

सोचें अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश में चुनाव बेलट पेपर से क्यों होते हैं। वहां चुनाव प्रक्रिया पर सवाल भी नहीं उठते। बीते नवंबर में संपन्न अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प इसी प्रक्रिया से राष्ट्रपति चुने गये। महाशक्ति कहे जाने वाले यूएस में क्या ईवीएम से चुनाव नहीं हो सकते? इस पर एक लंबी बहस हो सकती है लेकिन ऐसी सार्थक बहस तभी हो सकती है जब लोकसभा राज्य सभा के सदन चलें तो। इन दोनों सदनों के वर्तमान सत्र की कार्यवाही कैसे बार बार रुकावट भरी रही यह पूरे देश ने देखा। आप अपना अमूल्य वोट देकर जिन्हें बड़े विश्वास के साथ चुनते हैं उनका कथित आचरण, व्यवहार, मर्यादा और भाषा सदन में स्पष्ट दिखाई देती है। सदन निर्बाध रूप से संचालित हो यह जिम्मेदारी किस पर होती है। लेकिन जब उन्हीं पर कथित रूप से पक्षपात, अपनी बात नहीं रखने देने, माइक बंद कर देने के आरोप लगें तो निष्पक्षता की उम्मीद कोई किससे करे?

खैर, सियासत का खेला तो ऐसे ही चलता रहेगा। अब बात देश के प्रमुख घटनाओं की। पूरे साल कहीं ना कहीं रेल दुर्घटनाएं होती रही तो वंदे भारत की नई नवेली खेपें भी दौड़ती रही। हवाई जहाज की उड़ानों को धमकियां मिलती रहीं तो सड़क दुर्घटनाएं भी बड़ी संख्या में हुई। गर्मी, बारिश ने कहर बरपाया तो साल बीतते बीतते सर्दी भी पीछे नहीं रही। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत अनेक बड़े छोटे शहरों में बढ़ते प्रदूषण ने लगातार ध्यान खींचा। केरल के वायनाड की तबाही सिहराने वाली थी तो उत्तर प्रदेश के फुलरई में कथित बाबा के प्रवचन में भगदड़ मचने से अनेक बेगुनाह श्रद्धालु मारे गये। हाल में मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया के पास समुद्र में दो बोट की टक्कर में कई लोग मारे गये। देश के विभिन्न राज्यों में समुद्री तूफान और अतिवर्षा से भी जनजीवन प्रभावित हुआ।

वैश्विक परिदृश्य देखें तो रूस यूक्रेन युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा। दूसरी तरफ ईरान और इजराइल युद्ध और हमास की चर्चा होती रही। बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट और भारत द्वारा उन्हें शरण देने, अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद युनुस के फैसले और वहां हिन्दू अल्पसंख्यक समुदाय पर कथित अत्याचार, मंदिरों में तोड़फोड़, दुकानों मकानों को जलाने की तस्वीरें सामनें आती रही। बांग्लादेश जैसा पिद्दी देश अपने ही जन्म दाता को आंखें दिखाने लगे तो हमारी रीति नीति पर प्रश्न चिन्ह लगना स्वाभाविक है। उधर एक ओर पड़ोसी देश पाकिस्तान के हालात बदतर बने हुए हैं। जबकि पहले श्री लंका, म्यांमार, बांग्लादेश, अफगानिस्तान के घटनाक्रम सभी के समक्ष हैं। उधर सीरिया में हाल ही में असद का तख्तापलट भी बड़ी घटना है।

पापी पेट का सवाल

दृष्टिकोण

रमेश रंजन त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

किसी शादी समारोह में दावत उड़ाते लोगों को ध्यान से देखिए। ऐसा लगेगा मानो बहुत से मेहमान खाने के लिए ही जीते हैं, तो कई जीने के लिए खा रहे होंगे। कौन खाने के लिए जीता है और कौन जीने के लिए खाता है, इसका कोई निर्दोष पैमाना नहीं है। न तो खानेवाले के शारीरिक आयतन और न ही प्लेट में रखी भोजन की मात्रा से इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

खाने को लोग वेज और नॉनवेज कैटेगरी में बांटते हैं मगर इन दिनों वीगन भी लोकप्रिय है। वीगन अलग ही कैटेगरी है। ये नहीं, वो नहीं, केवल ये, केवल वो, पता नहीं कब कौनसी कैटेगरी जन्म ले ले! एक बात समझ में नहीं आई कि किसी का दिमाग खाना किस श्रेणी में माना जाएगा? खाने के लिए तो लोग क्या क्या नहीं खा जाते! कोई नाम लीजिए, उसे भी खाने वाले मिल जाएँगे। गरीब अक्सर गम खाया करता है तो अमीर के लिए कोई सीमा नहीं, वह सबकुछ खा सकता है।

खाने की वस्तुएँ केवल अनाज से नहीं बनतीं। नजर दौड़ाएँ, घूस का अन्न से क्या लेना देना? लेकिन घूस खाई जाती है, और स्वादिष्ट भी होती होगी तभी तो सबकी चहेती है। हाँ, घूस में अनाज लेना अलग बात है। अपने बुजुर्गों से एक ऐसे आला दर्जे के अधिकारी की बात भी सुनी है, जो रेवेन्यू विभाग के सबसे छोटे कर्मचारी को अपने खेतों की फसल आने के बाद एक बोरी अनाज नजराने के रूप में भेजा करते थे। वे कहते थे कि ऐसा करने से खेती की सेहत अच्छी बनी रहती है। कभी-कभी घूस खाना नुकसान भी करता है, 'फूड पॉइजनिंग' तक हो जाती है। दूसरे का हिस्सा हड़प कर डकार भी न लेना चतुराई में शुमार है। कभी-कभी डकार आना भोजन की विपर्यय अवस्था का सबूत हो सकता है। वैसे डकार को भोजन की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता से जोड़कर देखने का प्रचलन अधिक है।

खाने का संबंध 'पापी' पेट से है। भूख और भोजन के कारण पेट 'पापी' हो गया। पेट तक खाना पहुँचाने वाले हाथ और मुँह शरीफ बने रहे। सिद्धांत समझाया जाता है कि पाप से नफरत करो, पापी से नहीं, तो पेट क्यों पापी हुआ, भूख क्यों नहीं? ऐसे अनेक सवाल उठाए जा सकते हैं। पेट की दो श्रेणियां होती हैं, एक भरा और दूसरा खाली। पापी और पुण्यवान पेट के निर्धारण में खाली और भरे पेट की अवस्था अहम रोल निभाती है। एक प्रचलित कथा है कि तथागत के शिष्य उनके सामने एक भूखे को लाए और उसे उपदेश देने का निवेदन किया तो महात्मा ने कहा कि उस गरीब को पेट भर भोजन कराएँ और जाने दें, उसके लिए वही सबसे बड़ा उपदेश है। 'हितोपदेश' में कहा गया है-

त्यजेत् क्षुधार्ता महिला स्वपुत्रं खदेत् क्षुधार्ता भुजगी स्वमंदम्।

बुभुक्षितः किं न करोति पापं क्षीणा नरा निष्करुणा भवन्ति ॥

अर्थात् भूख से व्याकुल माँ (अपने प्राण बचाने के लिए) अपने पुत्र को भी त्याग देती है, भूखी साँपिन स्वयं अपने ही अण्डो को खा जाती है। भूखा व्यक्ति कोई भी पाप कर सकता है तथा दुर्बल व्यक्ति भी ऐसी परिस्थिति में निर्दयी हो जाता है।

इसीलिए पेट को पापी कहा गया है। यद्यपि जीवित रहने के लिए उदर पोषण आवश्यक है परंतु येन केन प्रकारेण पेट भरना ही जीवन का एकमात्र लक्ष्य नहीं होता। भोजन साधन है साध्य नहीं। लेकिन सबको यह भी नसीब नहीं होता इसीलिए मिल बांटकर खाने की प्रशंसा की जाती है। जियो और जीने दो में एक अहम संदेश यह भी है। भारतीय संस्कृति में अन्न को देव मानने का प्रमुख कारण सम्मान, शुद्धता के साथ अपव्यय से बचने की भावना भी है। किसी की भूख मिटाने से बड़ा पुण्य और क्या होगा?

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

नंदकिशोर बर्वे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

साहित्यकार जी के घर में खटपट बनाम खटाखट खटाखट

अजी सुनो मैं नहाने जा रही हूँ. गैस पर कुकर रखा है. तीन सिटी के बाद बुझा देना . 'यह मधुर (!) आवाज़ जब तीसरी बार साहित्यकार जी के कानों में पड़ी तब उनकी तन्द्रा टूटी. और उन्होंने 'हूँ' उच्चारा . जो गंतव्य तक पहुँचा ही नहीं .'

'अरे इतना मन लगाकर एकाध कुआँ ही खोद लेते, तो कम से कम डूबने के काम तो आता .' मधुर आवाज़ तेजतर हो गई . 'बुझा दूंगा .' साहित्यकार जी को अपने जीवन में यहाँ तक आते आते , ऐसे अवसरों का अच्छा अभ्यास हो गया था ,जहाँ संक्षिप्त उत्तर देना हो . ...और वही हुआ जो अक्सर हो जाता है . वे गैस बुझाना भूल गये . फिर तो पहले दाल की मिट्टी पलीद हुई . फिर उनकी .

'सत्यानाश ! आज फिर गैस बुझाना भूल गए . कितनी सिटी हो गई है कुकर में , कुछ होश भी है .' मधुर स्वर और तेज हो गया .

'वो....'

'अरे रहने दो रहने दो . इतनी कलम घिस चुके हो , हज़ारों रुपयों के कागज़ बर्बाद कर दिए . क्या पा लिया ?'

'देखो मुझे कुछ भी कह लो , लेकिन मेरे साहित्य को बख्शो प्लीज़ .' उन्होंने सच्चे साहित्यकार की भांति साहित्य का पक्ष लिया . 'इसी साहित्य ने कबाड़ा कर रखा है . अच्छा बताओ क्या मिला आज तक . एकाध जगह से शाल श्रीफल लेकर ही लाये हो अब तक . उसमें भी श्रीफल खोटा निकला. और शाल चूहे की कुतरी हुई .' 'अब निकली तो निकली .क्या फर्क पड़ता है . देने वाले की भावना देखी जाती है . वस्तु का भाव नहीं .' 'रहने दो तुम्हारा यह अनाड़ी दर्शन . आजकल देने वाला या तो किसी मज़बूरी में देता है , या परस्पर भाव से .'

साहित्यकार जी को लगा की आज तो दाल के तड़के के प्याज के साथ उनको भी तेज आंच पर पूरा तला जायेगा . 'देखो कल से गैस पर चढ़ी हर चीज का पूरा ध्यान रखूँगा . पर आज माफ़ करो . मेरा यह आलेख पूरा करने का मूड है अभी .' साहित्यकार जी ने अपनी दाल गलाने की कोशिश की .

'कर लो . ये भी पूरा कर लो . अब तक जो पूरे हुए उनमें कौन सा साहित्य अकादमी या ज्ञानपीठ मिल गया . जो अब मिल जायेगा .'

'अरे भागवान समझने की कोशिश करो किसी भी साहित्यकार का मूल्यांकन आने वाला कल ही करता है .भले ही उसके जाने के बाद .' 'हो गया तुम्हार मुल्यांकन भी समझो . ऐसे समझ कर गुजरे लोगों की लम्बी लाइन लगी पड़ी है उधर .'

'तो स्वान्तःसुखाय ही सही . तुलसी दास जी ने भी तो स्वान्तः सुखाय के लिए ही इतने बड़े रामचरितमानस की रचना की थी . पता भी है .'

'सब पता है . पर वो गुजरे ज़माने की बात है . कुच्छ नहीं मिलता इस साहित्य वाहित्य से आजकल . इससे तो अच्छा है , छोटी छोटी रील बनाओ. खट बनती है . और चट से ठोंक दो सोशल मिडिया पर . लाखों व्यू हो जाते हैं लाखों . और पैसा अलग से मिलता है .खटाखट खटाखट .' 'तुम साहित्य की तुलना इन बेहूदा रीलों से कर रही हो . तुम्हें कुछ लगता भी है , कि यह तुम क्या बोल रही हो ? ' 'अरे सब मालूम है . तुम्हारे छपे लेख फेसबुक पर डालकर एक एक व्यू ,लाइक और कमेन्ट का इंतज़ार करते रहते हो दिन दिन भर . उसमें भी आधे से ज्यादा कमेन्ट तो बिना पढ़े डालते हैं लोग . बधाई , बढ़िया ,उत्तम ,नाईस .'

'सच्चे मोती तो गहरे समुद्र में ही मिलते हैं .वो भी इक्का दुक्का .वो कमेन्ट जो रचना पढ़कर लिखे जाते हैं , वे ऐसे ही मोती होते हैं मेरे लिए .' साहित्यकार जी ने गर्व से कहा .

'दिल बहलाने के लिए ग़ालिब ख़याल अच्छा है .उससे ज्यादा कुछ नहीं है ये . सच्चे मोती . हुँह' तुम्हारे ज़िन्दगी भर के इन मोतियों की संख्या मेरे के एक हार के मोतियों जितनी भी नहीं हुई है आजतक . 'साहित्यकार जी को लगा कि अब चर्चा श्रीमती जी के गहनों की और मुड़ रही है . तो वे मौन हो गये . क्योंकि गहनों की चर्चा में हमेशा श्रीमतीजियों की जीत निश्चित होती है , और पति की हार .'

उन्होंने उनसे अंततः सहमत होते हुए एक रील बनाई . और बेमन से डाल दी सोशल मिडिया पर. किसी चमत्कार की तरह व्यू पर व्यू होने लगे . और बैंक खाते में पैसे आने लगे खटाखट खटाखट ... खटाखट खटाखट... इस आवाज़ से उनकी नींद खुली और वे अचानक बिस्तर पर उठ बैठे . देखा तो पास में श्रीमती जी उनसे बेख़बर सो रही थी.

कृषि विकास

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक स्तंभकार हैं।

समान पैदावार के साथ स्वास्थ्य जोखिम कम करेगी प्राकृतिक खेती

स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहरी अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों के साथ इसका एकीकरण कृषि और अपशिष्ट प्रबंधन दोनों में चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक अभिनव समाधान प्रदान करता है। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों ने पारंपरिक खेती करने वालों के समान ही पैदावार की सूचना दी। कई मामलों में, प्रति फ़सल अधिक पैदावार की भी सूचना मिली। चूंकि प्राकृतिक खेती में किसी भी सिंथेटिक रसायन का उपयोग नहीं किया जाता है, इसलिए स्वास्थ्य जोखिम और खतरे समाप्त हो जाते हैं। भोजन में पोषण घनत्व अधिक होता है और इसलिए यह बेहतर स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है।

25 नवंबर, 2024 को भारत सरकार ने रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने और एक करोड़ किसानों के बीच जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की शुरुआत की। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन का उद्देश्य जैविक खेती की ओर बढ़ रहे किसानों को प्रशिक्षित करना और उनका समर्थन करना है, जिसमें गाय के गोबर से बनी खाद और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अन्य गैर-रासायनिक उर्वरकों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

हालांकि, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहरी अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों के साथ इसका एकीकरण कृषि और अपशिष्ट प्रबंधन दोनों में चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक अभिनव समाधान प्रदान करता है। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों ने पारंपरिक खेती करने वालों के समान ही पैदावार की सूचना दी। कई मामलों में, प्रति फ़सल अधिक पैदावार की भी सूचना मिली। चूंकि प्राकृतिक खेती में किसी भी सिंथेटिक रसायन का उपयोग नहीं किया जाता है, इसलिए स्वास्थ्य जोखिम और खतरे समाप्त हो जाते हैं। भोजन में पोषण घनत्व अधिक होता है और इसलिए यह बेहतर स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है।

प्राकृतिक खेती बेहतर मृदा जीव विज्ञान, बेहतर कृषि जैव विविधता और बहुत कम कार्बन और नाइट्रोजन पदचिह्नों के साथ पानी का अधिक विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करती है। प्राकृतिक खेती का उद्देश्य लागत में कमी, कम जोखिम, समान पैदावार, अंतर-फसल से आय के कारण किसानों की शुद्ध आय में वृद्धि करके खेती को व्यवहार्य और आकांक्षापूर्ण बनाना है। विभिन्न फसलों के साथ काम करके जो एक-दूसरे की मदद करते हैं और वाष्पीकरण के माध्यम से अनावश्यक पानी के नुक़सान को रोकने के लिए मिट्टी को कवर करते हैं, प्राकृतिक खेती 'प्रति बूंद फसल' की मात्रा को अनुकूलित करती है।

भारत में सालाना 5.8 करोड़ टन ठोस कचरा पैदा

होता है, जिसमें 1 करोड़ टन जैविक खाद बनाने की क्षमता है। इसके बावजूद, अलग-अलग कचरे से शहरी खाद को अभी तक एकीकृत नहीं किया गया है, जो सालाना 15-20 लाख किसानों की खाद की ज़रूरतों को पूरा कर सकता है। अप्रसंस्कृत नगरपालिका अपशिष्ट अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों के पास लैंडफिल में समाप्त हो जाता है, जिससे पर्यावरण क्षरण और मीथेन उत्सर्जन होता है। शहरी स्थानीय निकाय केवल 30-40 प्रतिशत कचरे का प्रसंस्करण करते हैं, वे अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाओं को क्रियाशील रखने के लिए परिचालन सब्सिडी पर निर्भर रहते हैं।

जैविक खाद की आवश्यकता 2-3 टन प्रति एकड़ है, जो 100-150 किलोग्राम रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता से कहीं अधिक है। परिवहन लागत जैविक खाद को इसकी कम क़ीमत (रू. 2000-3000 प्रति टन) के बावजूद किसानों के लिए कम सुलभ बनाती है। यह मॉडल अलग किए गए शहरी गीले कचरे को खेत की भूमि से जोड़ता है, जिससे खेतों पर सीधे खाद बनाना संभव हो जाता है। यह टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देते हुए अपशिष्ट प्रबंधन में चुनौतियों का समाधान करता है। शहरी स्थानीय निकाय अलग किए गए गीले कचरे को अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्रों या लैंडफिल के बजाय सीधे खेतों में पहुँचाते हैं। किसान पारंपरिक गड्ढा खाद बनाने के तरीकों का उपयोग करते हैं, गीले कचरे को गोबर के घोल और जैव-संस्कृतियों के साथ मिलाकर 2-3 महीनों के भीतर जैविक खाद का उत्पादन करते हैं। 1 लाख की आबादी वाला एक शहर प्रतिदिन 10-15 टन गीला कचरा उत्पन्न करता है, जो एक किसान के फ़सल चक्र के लिए प्रतिदिन 3 टन खाद बनाने के लिए पर्याप्त है। अपने खेतों पर निःशुल्क जैविक खाद तक पहुँच, परिवहन और इनपुट लागत में कमी। मिट्टी की सेहत में सुधार और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता में कमी। परिचालन सब्सिडी (टिपिंग शुल्क) पर बचत। अपशिष्ट प्रसंस्करण दक्षता में वृद्धि और मीथेन उत्सर्जन में कमी। लैंडफिल अपशिष्ट और सम्बंधित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी के साथ इसके बहुत से फायदे हैं।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए शहर-किसान भागीदारी (एसडब्ल्यूएम) ने 200 से अधिक किसानों को 2,300 टन अलग-अलग गीले कचरे की आपूर्ति की, जिससे 600 टन जैविक खाद का उत्पादन हुआ। रासायनिक उर्वरक के उपयोग में 50-60 टन की कमी। खाद बनाने से पहले और बाद में कठोर परीक्षण के माध्यम से मिट्टी की सेहत में सुधार हुआ जर्मनी में वैश्विक स्तर पर सबसे उन्नत अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों में से एक है, जो एक परिपत्र अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करती है। जैविक कचरे को स्रोत पर अलग किया जाता है और उच्च गुणवत्ता वाले खाद और बायोगैस में परिवर्तित किया जाता है। जापान ने ताकाकुरा खाद बनाने की विधि विकसित की है, जो घरेलू कचरे का उपयोग करके एक विकेन्द्रीकृत खाद बनाने की तकनीक है। यह विधि शहरी और उपनगरीय क्षेत्रों में व्यापक रूप से अपनाई जाती है। स्वीडन ने जैव-चक्र खेती का मॉडल अपनाया है, जहाँ शहरी जैविक कचरे का उपयोग जैव-उर्वरक और बायोगैस बनाने के लिए किया जाता है। सिंगापुर ने जैविक कचरे को टिकाऊ तरीके से प्रबंधित करने के लिए शहरी क्षेत्रों में सामुदायिक स्तर पर खाद बनाने के केंद्र स्थापित किए हैं।

किसानों की खाद की मांग को पूरा करने के लिए शहरी गीले कचरे से खाद बनाने को राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन में शामिल करें। विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधनः स्थानीय खाद बनाने के समाधानों के लिए शहर-किसान भागीदारी को बढ़ावा दें। खाद बनाने की तकनीक और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन में किसान प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मज़बूत करें। जन जागरूकता और बुनियादी ढांचे में निवेश के माध्यम से स्रोत पर अपशिष्ट पृथक्करण प्रथाओं को बढ़ाएँ। खेतों पर खाद बनाने के बुनियादी ढांचे के लिए सब्सिडी प्रदान करें। खेतों में सीधे अपशिष्ट वितरण को प्रोत्साहित करके यूएलबी के लिए परिचालन लागत कम करें। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) और शहर-किसान भागीदारी मॉडल भारत की कृषि और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक करोड़ किसानों को समर्थन देने के एनएमएनएफ के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकारी एजेंसियों, यूएलबी और स्थानीय समुदायों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता है, जिससे कृषि, शहरी शासन और पर्यावरण के लिए जीत-जीत का परिणाम सुनिश्चित हो सके।

विज्ञान समाचार

छोटे पड़ रहे प्लास्टिक प्रदूषण पर लगाम के प्रयास

प्लास्टिक प्रदूषण की बढ़ती समस्या को थामने के लिए लोगों में जागरूकता फैलाने के प्रयास करीब-करीब विफल ही रहे हैं। जो थोड़ी-बहुत सफलता मिलती है वह इसके उत्पादन की मात्रा के सामने फीकी है। प्रति वर्ष करीब 46 करोड़ टन नए प्लास्टिक का उत्पादन होता है, और 2060 तक इसका उत्पादन तिगुना होने की संभावना है। इसमें भी एक बार इस्तेमाल करके फेंक दिया जाने वाला प्लास्टिक अधिक होता है।

प्लास्टिक प्रदूषण को थामने के प्रयासों में सफलता बहुत सीमित रही है - कुल उत्पादन का महज़ 10 प्रतिशत प्लास्टिक ही पुनर्चक्रित (रीसायकल) हो पाता है, बाकी समुद्रों में और यहां-वहां फेंक दिया जाता है। यह पर्यावरण, जीव-जंतुओं और मानव स्वास्थ्य के लिए समस्या पैदा करता है।

ऐसे में स्थानीय, राज्य या राष्ट्र के स्तर पर किए जा रहे प्रयासों से बढ़कर वैश्विक स्तर पर कार्रवाई की ज़रूरत लगती है। इस प्रयास में वर्ष 2022 में दुनिया भर के देशों ने मिलकर प्लास्टिक प्रदूषण को थामने के लिए एक वैश्विक संधि के तहत प्लास्टिक प्रदूषण को थामने के लिए नियम-कायदे तय करने की शुरुआत की थी। पिछले दिनों, दक्षिण कोरिया के बुसान में 175 देशों के वार्ताकार इस संधि के पांचवें और अंतिम सत्र के लिए एकत्रित हुए थे। उम्मीद की जा रही थी कि दक्षिण कोरिया के बुसान में जारी वार्ता के परिणामस्वरूप दुनिया को प्लास्टिक प्रदूषण से बचाने के लिए एक सशक्त संधि मिलेगी। लेकिन 1 दिसंबर को वार्ता बगैर किसी निर्णय के समाप्त हो गई। हालांकि, वैश्विक स्तर पर सहमति बनने तक कई शहर और देश अपनी-अपनी नीतियां बना रहे हैं।

बैठक में आए सभी प्रतिनिधियों के अपने-अपने मत हैं। वैज्ञानिकों समेत सहित कुछ समूह चाहते हैं कि गैर-ज़रूरी प्लास्टिक के उत्पादन को कम किया जाए, जो तेज़ी से अनियंत्रित स्तर तक बढ़ गया है। लेकिन कुछ राष्ट्र, विशेष रूप से पेट्रोकेमिकल्स उत्पादनकर्ता राष्ट्र चाहते हैं कि संधि में उत्पादन रोकने की बजाय रीसाइक्लिंग सहित अपशिष्ट प्रबंधन पर अधिक ज़ोर हो।

अब तक, 90 से ज़्यादा देशों ने एक बार उपयोग वाले प्लास्टिक उत्पादों (जैसे पोलीथीन थैलियों) पर पूर्ण या आंशिक प्रतिबंध लगाया है। ये प्रतिबंध काफी प्रभावी हो सकते हैं। एक विश्लेषण बताता है कि पांच अमेरिकी राज्यों और शहरों में इस तरह के प्रतिबंधों ने प्रति वर्ष एक बार उपयोग की जाने वाली लगभग छह अरब पोलीथीन थैलियों की खपत में कमी की है। जलनिकास मार्ग/जलमार्गों में बहने/फंसने वाले प्लास्टिक में भारी कमी भी दिखाई दी है।

प्लास्टिक उपयोग पर शुल्क वसूलना भी काम कर सकता है। यूके में एक सर्वेक्षण में पाया गया है कि एक बार उपयोग वाली थैलियों के उपयोग पर शुल्क लगाने के बाद समुद्र तटों पर प्लास्टिक की थैलियों की संख्या में 80 प्रतिशत की कमी आई, हालांकि इससे अन्य तरह का कूड़ा बढ़ गया है।

खराब डिज़ाइन किए गए या लागू किए गए प्रतिबंध अप्रभावी होने की संभावना भी होती है। इसका एक उदाहरण कैलिफोर्निया में देखने को मिला हैः वहां दुकानों को मोटी और पुनः उपयोग की जा सकने वाली प्लास्टिक थैलियों का इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई थी - लेकिन लोगों ने पुनः उपयोग करने के बजाय उन्हें भी फेंक दिया, जिससे पहले की तुलना में प्लास्टिक कचरा बढ़ गया। इसलिए लागू की जानी वाली नीतियों की सतत निगरानी और समीक्षा की ज़रूरत है।

फिर, कई देशों में प्लास्टिक पैकेजिंग निर्माता कंपनियों से उनके द्वारा बनाए गए प्लास्टिक को पुनर्चक्रित करने के लिए पैसा लिया जाता है। ऐसा करने से पुनर्चक्रण की दर बढ़ी है। जैसे स्पेन ने 'उत्पादक की विस्तारित ज़िम्मेदारी' नीति शुरू की, जिससे कागज़ और प्लास्टिक के पुनर्चक्रण की दर 5 प्रतिशत से बढ़कर 81 प्रतिशत हो गई है। ऐसी नीतियों का उद्देश्य कंपनियों को अपनी पैकेजिंग को नए सिरे से, नए तरीके से डिज़ाइन करने के लिए प्रोत्साहित करना भी है। लेकिन चूंकि पैकेज़िंग के लिए अधिकांश शुल्क वज़न के हिसाब से लिया जाता है इसलिए यह तरीका मुख्य रूप से सिर्फ पैकेजिंग की मात्रा को कम करने में प्रभावी होता है, न कि पैकेजिंग की सामग्री को बदलने में। विशेषज्ञों का सुझाव है कि ऐसी नीतियां अधिक कारगर हो सकती हैं जो पैकेजिंग को पुनर्चक्रित सामग्री से बनाने का प्रोत्साहन देती हों। जैसे यूके में प्लास्टिक उत्पादकों को प्रति टन प्लास्टिक पर कर देना होता है, लेकिन सिर्फ उन उत्पादों पर जिन्हें बनाने में 30 प्रतिशत से कम पुनर्चक्रित सामग्री का इस्तेमाल किया गया हो। ऐसे प्रोत्साहन प्लास्टिक मांग की सही तरीके से आपूर्ति कर सकते हैं।

ज़ाहिर है, हर नीति के कुछ फायदे-नुकसान होते हैं। पुनर्चक्रण की नीतियों में भी ऐसा ही देखने को मिलता है; इनसे पुनर्चक्रण केंद्र और पुनर्चक्रण की दर तो बढ़ जाती है लेकिन पुनर्चक्रण कर्मचारियों के लिए सुरक्षा मानक न के बराबर होते हैं।

प्लास्टिक प्रदूषण के सबसे खतरनाक रूपों में से एक है माइक्रोप्लास्टिक। प्लास्टिक के बारीक-बारीक टुकड़े जो कार के टायरों के घिसने से, कपड़ों की धुलाई से या सौंदर्य प्रसाधनों आदि के उपयोग से पर्यावरण में झड़ते रहते हैं। ऐसा अनुमान है कि हर साल समुद्र में छोड़े जाने वाले करीब 10 लाख टन प्लास्टिक में 15-31 प्रतिशत माइक्रो प्लास्टिक होता है। इसे कम करने के प्रयास में कई देशों ने सौंदर्य प्रसाधनों में माइक्रोबीड्स के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे कंपनियों पर इनका उपयोग बंद करने के लिए दबाव पड़ा है।

फ्रांस पहला ऐसा देश है जिसने नई वाशिंग मशीनों में माइक्रोफाइबर फिल्टर अनिवार्य कर दिया है। परीक्षणों में एक तरह का फिल्टर 75 प्रतिशत तक माइक्रोफाइबर कम करने में कारगर रहा। हालांकि कपड़ों में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक के प्रसार को थामने के लिए फिल्टर लगाना बहुत प्रभावी उपाय नहीं है क्योंकि कपड़े पहनते-रखते समय भी करीब उतने ही महीन रेशे झड़ते हैं। और तो और, फिल्टर से निकाल कर भी रेशे पर्यावरण में ही कहीं फेंके जाएंगे। इसलिए बेहतर होगा कि कपड़ों को बनाने के तरीके में बदलाव किए जाएं, लेकिन राष्ट्रीय कानूनों के ज़रिए यह मुश्किल ही साबित हुआ है।

इस तरह की अड़चनों और बाधाओं को कम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संधि आवश्यक है। राष्ट्र संघ का प्रस्ताव था कि सभी राष्ट्र एक संधि पर सहमत हों। लेकिन कई मुद्दों पर राष्ट्रों के बीच मतभेदों के चलते वार्ता टूट गई। अब बात वार्ता के अगले दौर तक के लिए टल गई है जो अगले साल होगा। **(स्त्रोत फीचर्स)**

सजगता

डॉ. हरीशकुमार सिंह

लेखक स्तंभकार हैं।

अब स्टॉक मार्केट में फर्जी निवेश के जरिये धोखाधड़ी

व्हाट्सअप समूह से जोड़ना - सबसे पहले आम निवेशकों को स्टॉक मार्केट से सम्बन्धित प्रशिक्षण और जानकारी देने के नाम पर व्हाट्सअप समूह में शेयर मार्केट की नियमित जानकारी दी जाती है और समूह में प्रतिदिन सक्रिय रहने पर कुछ अंक दिए जाते हैं। अंकों की संख्या तीस,साठ, एक सौ बीस होने पर तीन हजार से पचास हजार रुपये का इनाम दिया जाता है जिसे निवेशक के बैंक खाते में भेज दिया जाता है। एक्सपर्ट द्वारा नियमित स्टॉक मार्केट का विश्लेषण किया जाता है जिससे निवेशक को भरोसा हो जाता है कि ये सचमुच के विशेषज्ञ हैं। फिर निवेशकों को किसी भी दिन कोई स्टॉक खरीदने की सलाह दी जाती है और स्टॉक के बढ़ने पर बेचने की सलाह और यह निवेशक अपने खुद के किसी निजी ट्रेडिंग खाते से करता है।

साइबर अपराध के जरिये आम नागरिकों को आर्थिक रूप से लूटा जा रहा है और साइबर अपराधी नये नये तरीकों से आम आदमी के धन को हड़पने में लगे हैं। सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक के द्वारा आम नागरिकों को सतर्क रहने की जानकारी देने के बाद भी कई लोग रोज ही साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। अब इन साइबर अपराधियों ने जनता को लूटने के लिए स्टॉक मार्केट का सहारा लेना आरम्भ कर दिया है जिसके अंतर्गत आम निवेशक को शिकार बनाने के लिए चरणबद्ध तरीके से उन्हें फंसाया जाता है।

व्हाट्सअप समूह से जोड़ना- सबसे पहले आम निवेशकों को स्टॉक मार्केट से सम्बन्धित प्रशिक्षण और जानकारी देने के नाम पर व्हाट्सअप समूह में शेयर मार्केट की नियमित जानकारी दी जाती है और समूह में प्रतिदिन सक्रिय रहने पर कुछ अंक दिए जाते हैं। अंकों की संख्या तीस,साठ, एक सौ बीस होने पर तीन हजार से पचास हजार रुपये का इनाम दिया जाता है जिसे निवेशक के बैंक खाते में भेज दिया जाता है। एक्सपर्ट द्वारा नियमित स्टॉक मार्केट का विश्लेषण किया जाता है जिससे निवेशक को भरोसा हो जाता है कि ये सचमुच के विशेषज्ञ हैं। फिर निवेशकों को किसी भी दिन कोई स्टॉक खरीदने की सलाह दी जाती है और स्टॉक के बढ़ने पर बेचने की सलाह और यह निवेशक अपने खुद के किसी निजी ट्रेडिंग खाते से करता है।

फर्जी इक्विटी कंपनी से जोड़ना- फिर कुछ समय बाद यह बताया जाता है कि ब्लाक डील्स के जरिये निवेशक भारी कमाई कर सकता है। ब्लाक डील्स में कंपनिया, इक्विटी कंपनी को स्टॉक की चल रही कीमत से कम में अपनी कम्पनी के शेयर ऑफर करती हैं। इक्विटी कंपनी, अपने छोटे निवेशकों से फण्ड लेकर,

एक साथ उसी दिन ब्लाक डील करती है और फण्ड के हिसाब से अलग अलग शेयर,अलग अलग निवेशकों को शेयर आवंटित किये जाते हैं। निवेशकों को इक्विटी कंपनी के जरिये कम मूल्य में शेयर मिलते हैं और अगले दिन इन शेयरों को एक साथ बेचकर, अलग अलग निवेशक, इक्विटी कंपनी के साथ खोले गये खाते में मुनाफा अर्जित कर लेता है।

अधिक निवेश के लिए दवाब बनाना- इक्विटी कंपनिया, हो सकता है कि ऐसी ब्लाक डील्स से खुद भी कमाई करतीं हों मगर चूँकि ये इक्विटी कंपनियां ही फर्जी होती हैं और लेखक स्वयं भी व्हाट्सअप के जरिए ऐसी ही एक फर्जी इक्विटी कंपनी अनिषा से जुड़ा तो पता चला कि ये इक्विटी कंपनी, असली इक्विटी कंपनी की तरह ही एनएसई /बीएसई से जुडी होकर, फर्जी अनिषा इक्विटी कंपनी थी जो निवेशक के शेयर बेचने पर, असली पोर्टल की तरह ही प्रॉफिट भी दिखाती है। पता नहीं किस तरह से ये बेक एंड से अपनी फर्जी इक्विटी कंपनी को शेयर मार्केट के प्रतिदिन के उतार चड़ाव के अनुसार अपडेट रखते हैं और आम निवेशक इनकी फर्जी इक्विटी कंपनी पर भरोसा कर लेते हैं।

निवेशक को प्रभावित करने के लिए अपने इन्फ्लुन्सर से दबाव- व्हाट्सअप समूह में अधिकतर निवेशक धोखाधड़ी करने वालों के खुद के निवेशक ही होते हैं जो समूह में अपना निवेश बढा - चढ़ा कर बताते हैं और दूसरे आम निवेशक भी इनके झांसे में आकर निवेश की राशि को बढाते जाते हैं। धोखाधड़ी करने वालों के आदमी, इन्फ्लुन्सेर बताते हैं कि निवेशक किस प्रकार अधिक फण्ड जुटाए उसके लिए अपनी प्रॉपर्टी को गिरवी रखना, उधार लेना या व्यक्तिगत ऋण लेना भी हो सकता। कई बार निवेशक के पास जब रकम नहीं होती है तो धोखाधड़ी करने वाले कुछ दिन की क्रेडिट भी उपलब्ध करा देते हैं या स्वयं की कंपनी से ऋण दे देते हैं। जब तक पूरा ऋण वापिस नहीं किया जाता निवेशक अपनी जमा राशि निकाल नहीं सकता और जब जमा कर देता है तो कोई कारण बताकर राशि नहीं निकालने दी जाती है और निवेशक ठगा जाता है।

आईपीओ के जरिये निवेश - शेयर बाजार में चल रहे नए आईपीओ ही नहीं बल्कि जिन कम्पनियों के आईपीओ नहीं निकले हैं उनके शेयर भी, यह कहकर कि कम्पनी को पूंजी की जरुरत है कंपनी व्यक्तिगत स्तर पर उनकी इक्विटी कंपनी के जरिये शेयर बेचना चाहती है, निवेशक झांसे में आ जाता है। इक्विटी कंपनी में कम से कम दस हजार शेयर के लिए आवेदन करना होता है और धोखाधड़ी करने वाले अधिक से अधिक शेयर आवेदन करने को कहते हैं यह बताकर कि अलाटमेंट दो से पन्द्रह प्रतिशत ही होगा और फिर आम निवेशक को यह कहकर कि आप भाग्यशाली हो आपको नब्बे प्रतिशत शेयर अलाट हुए हैं। अब आम निवेशक इतनी बड़ी रकम कैसे जुटाए और धोखाधड़ी यहीं से शुरू होती है। जब निवेशक इतनी बड़ी रकम इक्विटी कंपनी के खाते में जमा करने में असमर्थ रहता है तो निवेशक की जमा रकम जो आईपीओ के नाम पर पहले से ही सीज रहती है को जब्त करने की धमकी, कानूनी कार्यवाही करने और एनएसई पर डाटा अपलोड कर निवेशक पर प्रतिबन्ध का डर दिखाते हैं। जब निवेशक राशि जमा कर देता है तो व्हाट्सअप समूह बंद कर भाग लेते हैं या जो निवेशक राशि जमा नहीं करता है उसकी जमा राशि हड़प लेते हैं।

कैसे फूटा भांडा- लेखक को पहले से ही संदेह था कि इक्विटी कंपनी के जरिये ये धोखाधड़ी कर रहे हैं इसलिए इनकी कंपनी जो पुणे की है , जिसके नाम से ये ट्रेनिंग दे रहे थे को गूगल पर सर्च किया तो कंपनी वही निकली और जो ट्रेनिंग दे रहे थे उनके नाम भी कंपनी की वेबसाइट पर थे। फिर जब कंपनी को मेल किया तो कुछ ही घंटों में जवाब आया कि कुछ लोग उनकी कंपनी और उनके कर्मचारियों के नाम से व्हाट्सअप समूह बना कर लोगों से स्टॉक मार्केट में निवेश करा कर धोखाधड़ी कर रहे हैं। मूल कंपनी ने कहा कि इनके बैंक खातों की जानकारी के साथ उचित स्थान पर शिकायत दर्ज कराएँ। पुणे की यह कंपनी पहले ही पुलिस में शिकायत दर्ज कर चुकी है।

अब आगे क्या होगा - फर्जी इक्विटी कंपनी, जिन मोबाइल नंबर से यह व्हाट्सअप समूह चला रहे हैं और जिन खातों में राशि जमा करवाई गई है, सम्बन्धित जांच एजेंसियां यह पता कर सकतीं हैं कि ये कौन लोग हैं और कहाँ से अपनी अवैध गतिविधियाँ संचालित कर रहे हैं। जिससे आम निवेशकों को और धोखाधड़ी से बचाया जा सके।

स्वास्थ्य परीक्षण कर बच्चों का किया उपचार

बैतूल। स्कूली बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर मानसिक और शारीरिक विकास का पता लगाया जा सकता है। इससे बच्चों के सामान्य दोष दृष्टि, बहरापन, रोग क्षीणता आदि का निदान एवं सुधार करना छात्र के जीवन का महत्वपूर्ण घटक है। इसी उद्देश्य को लेकर बुधवार को ढड़वाड़ा स्कूल में स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें डॉ.त्रिलोकीनाथ कनाठे और और उनकी टीम ने सिकलसेल जैसी बीमारियों के संबंध में बच्चों

को अवगत कराया। साथ दी स्वस्थ रहने के टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों में शामिल होना चाहिए और फास्ट फुड का सेवन नहीं करते हुए विटामिन आदि से भरपूर भोजन करना चाहिए। संस्था की प्राचार्या मीना डंढारे व शिक्षक मदनलाल डढोरे ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों की सामान्य बीमारियों की जानकारी होने से समय रहते उसका उपचार किया जा सकता है। जिससे की बच्चा स्वस्थ रह सके और अध्ययन कर सके। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रीति बाला माकोड़े, हेमलता चौधरी, योगेन्द्र मेहरा, कलावती हारोड़े, मदनलाल डढोरे, महेन्द्र पवार, आशा अरोरा, राजेन्द्र कुमार बेले, शारदा माथनकर, जाग्रति भावसार, पूनम काले, अजीत बारंगे, जयदेव डोंगरे, होसीलाल उइके, ललिता सोहाने, नीतिन, संदीप पांडे आदि का विशेष योगदान रहा।

गोधना में हुई कांग्रेस की बैठक

मुख्यमंत्री को सौंपा जाएगा ज्ञापन

बैतूल। ग्राम गोधना में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण चिचोली की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ कांग्रेसी रामप्रसाद आर्य ने की। बैठक का उद्देश्य संगठन को मजबूत बनाना और आगामी रणनीतियों पर विचार करना था। बैठक में उपस्थित प्रमुख नेताओं में सुनिता बारस्कर उपाध्यक्ष जनपद पंचायत, सोबू पंडोले पूर्व जनपद सदस्य, सुभाष करछले वरिष्ठ कांग्रेसी, लालबहादुर उइके अध्यक्ष आदिवासी ब्लॉक कांग्रेस, महेश उइके पूर्व जनपद सदस्य और राजेश बाबा साहू ने अपने विचार रखे। इस मौके पर सुरकासिंग उइके पूर्व अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, कमल आर्य ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक के दौरान यह तय किया गया कि 24 दिसंबर मंगलवार को मुख्यमंत्री के नाम 5 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस ज्ञापन में जनता के विभिन्न मुद्दों को शामिल किया गया है। संगठन के नेताओं ने सभी सदस्यों से एकजुट होकर इस मुहिम को सफल बनाने की अपील की।

भामसं ने दी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

बैतूल। भारतीय मजदूर संघ के 70 वर्ष के केंद्र की योजना का मुख्य चरण श्रमिक संपर्क अभियान जिसके तहत भारतीय मजदूर संघ से संबंधित नगर पालिका परिषद इकाई के कार्यकर्ता कार्य स्थलों पर जाकर कर रहे हैं। संपर्क नगर पालिका मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष विशाल खरे ने बताया कि 1 दिसंबर से प्रारंभ इस अभियान में जिले के नपा कार्यकर्ताओं ने वार्डों में कार्यस्थलों पर जा जाकर नपा के कर्मचारियों से संपर्क किया। भवन निर्माण मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष पंजाबराव गायकवाड़ ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ की स्थापना के स्वर्णिम 70 वर्ष के बारे में कर्मचारियों से मिलकर उनका हाल-चाल पूछ कर सरकार द्वारा जारी जनकल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी जा रही है। भारतीय मजदूर संघ श्रमिक हित में लगातार पिछले 70 वर्षों से श्रमिकों के हितों की रक्षा करते आ रहा है और आज देश ही नहीं बनी की दुनिया का सबसे बड़ा श्रम संगठन है। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल थे।

वरिष्ठ नागरिक संगठन निरंतर कर रहा सेवा कार्य

गांव गांव जाकर जरूरतमंदों को वितरित कर रहे कंबल

बैतूल। जिले में ठंड लगातार अपना प्रकोप दिखा रही है और तापमान गिरता जा रहा है। इसे देखते हुए वरिष्ठ नागरिक संगठन के द्वारा गांव-गांव जाकर कंबल वितरण किया जा रहा है। जिस उम्र में व्यक्ति दूसरों पर आश्रित होते हैं उस उम्र संगठन के पदाधिकारी और सदस्य समाज में लोगों का संबल बन कर सेवा कार्य कर रहें हैं। वरिष्ठ नागरिक संगठन द्वारा ग्रामीण आदिवासी बाहुल्य ग्राम गोनीघाट, बका, निशाना, रंभा, रातामाटी, धामनिया, जमनिया, बरेठा, चांदू, आदि गांवों में

आदिवासी वृद्धजनों को 39 कंबल, 18 टोपे और महिलाओं व लड़कियों को कपड़े वितरित किए। वरिष्ठ नागरिक संगठन में सभी बुजुर्ग शामिल हैं फिर भी इनकी समाज के प्रति कर्तव्यनिष्ठा देखते ही बनती है। जिसके तहत कंबल वितरण का कार्य वरिष्ठ नागरिक संगठन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार जारी है। कंबलों के साथ उपयोगी वस्त्रों का वितरण भी किया जा रहा है। यह सेवा कार्य नरेन्द्र दीक्षित, एके पांडे, श्री रघुवंशी, गोविंद खातरकर, सुनील पंडाग्रे के द्वारा किया गया। इस अवसर संगठन के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे।

ट्रेन के स्टॉपेज को लेकर शाहपुर रहा बंद, व्यापारियों ने दिया समर्थन

रेलवे स्टेशन के सामने दिया धरना, रेलवे के अधिकारी के आश्वासन पर माने

बैतूल। ट्रेन के स्टॉपेज की मांग को लेकर गुरूवार शाहपुर बंद रहा। व्यापारियों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद रखे और रैली निकालकर स्टेशन पहुंचे, जहां व्यापारी संघ और रेल संघर्ष समिति स्टेशन मास्टर से ट्रेन के स्टॉपेज को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करने पर अड़ गये। स्टेशन मास्टर द्वारा रेलवे अधिकारियों से बात नहीं कराने पर नाराज लोग स्टेशन के सामने ही धरने पर बैठ गये। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। रेलवे अधिकारी सूचना मिलते ही धरना स्थल पहुंचे और लोगों से चर्चा कर वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में उनकी मांगे लाने का आश्वासन दिया। जिसके बाद लोगों ने धरना समाप्त किया। दरअसल व्यापारी संघ और रेल संघर्ष समिति बरबतपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन नंबर 16031/16032 अंडमान एक्सप्रेस के ठहराव की मांग कर रहे थे। व्यापारी संघ और रेल संघर्ष समिति का कहना था कि पिछले 25 वर्षों से स्थानीय लोग बरबतपुर रेलवे स्टेशन पर अंडमान एक्सप्रेस के ठहराव के लिए प्रयासरत हैं, लेकिन उनकी मांग पूरी नहीं की गई, जबकि कई बार इस संबंध में ज्ञापन दिया जा चुका है। शाहपुर के लोग चाहते हैं कि चेन्नई से जम्मू तवी जाने वाली अंडमान एक्सप्रेस बरबतपुर रेलवे

स्टेशन पर रुके, तो इससे उन्हें सुविधा होगी। इस अवसर पर दिलीप गुप्ता, आनंद गुप्ता, सिम्मू जैन, दीपक सोनी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बंद को व्यापारियों ने दिया पूर्ण समर्थन- नगर बंद को शाहपुर के व्यापारियों ने पूर्ण समर्थन किया। सुबह से ही शहर के मुख्य मार्केट की दुकानों के शटर नीचे रहे। ताले तक नहीं खुले। इससे आमजनों को जरूरतों के सामान के लिए परेशान होना पड़ा। हाल यह था कि कामकाज करने वाले लोग चाय की चुस्की के लिए भी तरस गये थे। इसके अलावा मार्केट में सन्नाटा पसरा हुआ था। इक्का-दुक्का लोग ही बाजार में नजर आ रहे थे। व्यापारियों और आमजनों ने नगर बंद को पूरी तरह समर्थन दिया। व्यापारी संघ और रेल संघर्ष समिति की रैली में भी बड़ी संख्या में युवा, पुरूष और महिलाएं शामिल हुई।

हजारों लोग जाते है धार्मिक स्थल, आते है सैलानी

रेल संघर्ष समिति का कहना है कि यह गाड़ी अतिरिक्त समय के साथ चलती है। घोड़ाडोगरी से इटारसी की दूरी 2.18 मिनिट में तय करती है, जबकी अन्य ट्रेन को मात्र 45 मिनिट का समय लगता है। इस स्थानों से प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में तिरूपति बालाजी एवं वैष्णो देवी तथा अन्य तीर्थ स्थल की यात्रा करते है। सतपुड़ा रिजर्व टाइगर चुरना लगा हुआ है स्टेशन से दूरी मात्र 25 किलोमीटर है, जहां विदेशी सैलानियों का भी आना-जाना होता है। ऐसे में ट्रेन का स्टॉपेज नहीं होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

5 हजार से ज्यादा शासकीय कर्मचारी निवासरत

बरबतपुर रेलवे स्टेशन (शाहपुर) क्षेत्र आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के साथ इस क्षेत्र में पुर्नावास बंगाली समुदाय, आदिवासी अन्य जाति के लाखों लोग निवास करते है। लगभग 5000 से अधिक शासकीय कर्माचारी है तथा लगभग 18 अनुविभागीय अधिकारी के कार्यालय है। नगर परिषद शाहपुर के साथ 100 से अधिक ग्राम का ब्लाक मुख्यालय है। इन लोगों को अंडमान एक्सप्रेस से सफर करना होता है तो उन्हें घोड़ाडोंगरी, बैतूल या इटारसी जाना पड़ता है। शाहपुर से घोड़ाडोंगरी की दूरी 18 किमी, बैतूल 35 किमी और इटारसी जाने पर 50 किमी का सफर अगल से तय करना पड़ता है। जहां से यात्रियों को यह ट्रेन मिलती है।

एसडीएम के आश्वासन के बाद लौटे

वाहनों की कतार से यातायात हुआ प्रभावित, रेट बढ़ाने पर अड़े हम्माल, काम बंद कर की हड़ताल

बैतूल। तुलाई के रेट बढ़ाने को लेकर बुधवार रात हम्मालों ने काम बंद कर हड़ताल कर दी थी। जिसका असर गुरूवार भी देखा गया। हड़ताल के कारण किसान परेशान हो गए। तुलाई नहीं होने से वाहनों की मंडी गेट से सडक़ तक लंबी लाईन लग गई। सूचना मिलते ही एसडीएम राजीव कहार मौके पर पहुंचे और हम्मालों को उनकी मांगे पूरी करने का आश्वासन दिया। जिसके बाद गुरूवार को मंडी में तुलाई शुरू हो पाई। दरअसल बडोरा स्थित कृषि उपज मंडी में करीब 200 हम्माल कार्यरत है। हम्मालों की मांग थी कि उन्हें वर्षों से दिया जा रहा सुविधा शुल्क बेहद कम है, इसे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने मंडी में आने वाले उपज को तौलने से इनकार कर दिया। हम्मालों का कहना है कि वर्षों से वे बेहद कम शुल्क पर कर रहे हैं। अब इस दौर में उनका शुल्क बढ़ाया जाना चाहिए। बता दें कि अब तक मंडी में कार्यरत हम्मालों को 9.75 रूपये प्रति क्विंटल की दर पर शुल्क दिया जाता रहा है। लेकिन, अब वे 24 रूपये प्रति क्विंटल प्रति कट्टी दिए जाने की मांग कर रहे हैं। हड़ताल से मंडी में तौल रुक गया था। जिसके बाद एसडीएम ने हम्मालों को समझाईश आश्वसान दिया। जिसके बाद मंडी में तुलाई का कार्य प्रारंभ हो पाया।

इनका कहना है -

मैं बैठक में हूं। अधिकारियों, किसान और व्यापारियों की बैठक है। जिसमें रेट बढ़ाने को लेकर चर्चा की जायेगी। जिसके बाद ही रेट के संबंध में बता पाऊंगी।

- शीला खातरकर, मंडी सचिव, बडोरा उपज मंडी, बैतूल

दिवंगत ओमप्रकाश सलूजा स्मृति में विशाल रक्तदान शिविर 22 को

सिकलसेल और थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए जुटेंगे रक्तवीर

बैतूल। दिवंगत ओमप्रकाश सलूजा स्मृति में 22 दिसंबर को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर मां शारदा सहायता समिति और सलूजा परिवार द्वारा केशर बाग में आयोजित किया जाएगा। शिविर का आयोजन प्रात: 10 बजे से शुरू होगा, जिसमें जिले में सिकलसेल और थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित मासूम बच्चों के लिए रक्त संग्रह किया जाएगा। आयोजक दीपू सलूजा और अतीत पवार ने बताया कि शिविर में रक्तदान करने वालों को रक्तक्रांति सम्मान 2024 से नवाजा जाएगा। खास बात यह है कि यह सम्मान श्रीमद्भागवत कथा के समापन अवसर पर वृंदावन धाम से पधारे कथा व्यास अतुल शास्त्री द्वारा व्यास गद्दी से प्रदान किया जाएगा। मां शारदा सहायता समिति के अध्यक्ष पिंकी भाटिया और शैलेंद्र बिहारिया ने बताया कि रक्तदान से हार्ट अटैक और कैंसर की संभावना कम हो जाती है। इसके अलावा आयरन लेवल मेंटेन रहता है, मोटापे से बचाव होता है और मानसिक शांति मिलती है। रक्तदान को लेकर समाजसेवियों मनोज तिवारी, संजय शुक्ला, हिमांशु सोनी, तूलिका पचोरी, अनंत तिवारी, प्रकाश बंजारे और ओम आहूजा ने भी लोगों से रक्तदान की अपील की है। शिविर में प्रिया आर्ट क्लासेस द्वारा ब्लड ड्रॉप पेंटिंग प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इस आयोजन में स्व.ओमप्रकाश सलूजा जी को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। सभी इच्छुक रक्तदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस नेक काम में योगदान देने की अपील की गई है।

ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थी और शिक्षक नागरिकों का कर रहे प्रकृति परीक्षण

बैतूल। ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल के विद्यार्थी और शिक्षकों के द्वारा बैतूल जिले के नागरिकों का प्रकृति परीक्षण किया जा रहा है। ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने बताया कि आयुर्वेद में प्रत्येक व्यक्ति के आहार-विहार एवं दैनिक क्रियाकलापों की आदतों के आधार पर प्रत्येक व्यक्ति की प्रकृति निश्चित की जाती है, जिससे उन व्यक्तियों को भविष्य में मौसम परिवर्तन पर होने वाले स्वास्थ्य संबंधि समस्याओं से बचाव किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वप्न परियोजना देश का प्रकृति परीक्षण अभियान के अन्तर्गत पूरे देश के नागरिकों का स्वास्थ्य डेटा तैयार करना है। इस अभियान के लिये प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुमोदन पर राष्ट्रीय आयोग भारतीय चिकित्सा पद्धती नई दिल्ली जिसके अंर्तगत पूरे देश के आयुर्वेदिक कॉलेजेस संचालित किये जाते है, ने आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थीयों को वॉलंटियर बनाकर देश के प्रत्येक नागरिक का प्रकृति परीक्षण करने की जिम्मेदारी दी गई है। इस प्रकृति परीक्षण के पश्चात् भारत सरकार द्वारा निर्मित प्रकृति परीक्षण एप्लीकेशन के माध्यम से उन्हें प्रमाण पत्र जारी किया जाता है तथा आने वाले समय में मौसम परिवर्तन पर स्वास्थ्य वर्धक आहार-विहार की जानकारी दी जायेगी। इसी मुहिम के तहत ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थी एवं शिक्षकगण बैतूल शहर एवं आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में में घूम-घूम कर नागरिकों का प्रकृति परीक्षण कर रहे है। ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने बैतूल जिले के नागरिकों से आव्हान किया है कि आयुर्वेद के विद्यार्थीयों को इस अभियान के लिये सहयोग प्रदान करें तथा विद्यार्थीयो द्वारा दिये जाने वाले दिशा निर्देश का पालन करते हुए उपरोक्त एप्लीकेशन को डाउनलोड करें।

जन अभियान परिषद का नवांकुर संस्थाओं की क्षमता वृद्धि के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

बैतूल। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्थाओं का दो दिवसीय जिला स्तरीय क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण भारत भारती आवासीय विद्यालय बैतूल में गुरुवार से प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, वरिष्ठ समाजसेवी शिरडी संस्था से डॉ. उपमा दीवान, कृषि विज्ञान केंद्र वैज्ञानिक डॉ. मेघा दुबे का मार्गदर्शन सभी को प्राप्त हुआ। जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री नागर ने आदर्श ग्राम की अवधारणा एवं प्रशिक्षण क्यों आवश्यक है इस पर प्रकाश डालते हुए बताया की संस्थाओं को हमेशा अपने कार्य के प्रति प्रशिक्षित होते रहना चाहिए। प्रशिक्षण में कुछ बातें ज्ञान की प्राप्त होती हैं। हमें विभिन्न लोगों के अनुभव से सीखने को मिलती है। हमारा यह प्रशिक्षण इसी को ध्यान में रखकर बनाया गया है कि हम अपने विषय में पारंगत हो सके। जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं जन अभियान परिषद के परिचय से अवगत कराया। समाजसेवी डॉ उपमा दीवान ने स्वयंसेवी संस्थाओं को विभिन्न प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि शासन एवं समाज के बीच में एक सेतु का कार्य जन अभियान परिषद के माध्यम से कर रहे हैं। इसके लिए हमें शिक्षित और कुशलता होना बहुत जरूरी है पंचायती राज अधिनियम के बारे में बताया कि पंचायती राज अधिनियम की विभिन्न धाराओं की जानकारी हमें होना चाहिए। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों द्वारा भारत भारती के गोशाला, जैविक कृषि प्रकल्प, गोबर गैस आदि का भ्रमण भी किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के समस्त ब्लॉक समन्वयक भी उपस्थित रहे।

सड़कें चलने लायक नहीं फिर भी सभी खामोश..?

नगर में क्या मुर्दे बस रहे..

नर्मदापुरम। सीवरेज ट्रीटमेंट योजना ने नगरवासियों का चलना दूभर कर दिया। सभी तरफ सड़कें खुदी हुई उबड़-खाबड़ आवागमन में परेशानी का कारण है, पर नेताओं सहित प्रशासनिक अधिकारियों की खामोशी का कारण समझ नहीं आता उनके मुंह से जमा दही इस मामले में भी नहीं पिघल रहा उन्हें भी आवागमन में परेशानी हो रही लेकिन आश्चर्य है..! वोट लेने पार्टी कार्यकर्ताओं सहित अन्दर बाहर के सभी नेता सेवा करने का वचन देकर वोट तो कबाड़ लेते लेकिन जीतने के बाद जनता की परेशानी से उन्हें कोई सरोकार नहीं कोई मतलब नहीं और पराजित होने वाला उम्मीदवार क्षेत्र से ऐसे गायब हो जाता जैसे गधे के सर पर सींग.. फिर जागरुक विहीन जनता को ऐसे कामों पर ध्यान देने की तनिक भी रुचि नहीं चाहे परिणाम जो हों वे भोगने के लिए तैयार है। अखिलेश खंडेलवाल के समय नगरपालिका ने संपत्ति कर बढ़ाया था विधायक ने ढ़ाढस देते हुए कहा वे सरकार में हैं बढ़ा हुआ टेक्स कम करवा देंगे, जनता झांसे में आ गई और आज भी संपत्ति कर नहीं घट पाया भुगतान तो जनता भुगत रही। बेमतलब की योजना का भार जनता के कंधे पर ही तो आयेगा..! जनता भूल जाती साथ ही फिजूल योजनाओं के क्रियान्वयन का विरोध नहीं करती। कांग्रेस चुनाव और वोट मांगने तक सीमित रह गई फिर अब तो इस विधानसभा में क्या भाजपा और क्या कांग्रेस दोनों एक ही घर से चल रही चाटुकार तलवे चाट रहे भुगत आम आदमी रहा। एलआईसी दफ्तर के सामने

अधूरी सड़क खोदकर पहले योजना वालों ने लंबे समय तक उसे पटके रखा और अब ताबड़तोड़ वह भी रात में सड़क की खुदाई से लेकर सीवरेज ट्रीटमेंट के चेम्बर्स सड़क किनारे दुकानों की रोशनी में बनाए जा रहे.! नगर भर का मल-मूत्र इन छह इंच के पाईप से बहेगा, अगर निर्माण कर्ताओं की गलती से यह जाम हुआ/ फेल हुआ तो परिणाम किसे भोगना होगा..? सीवरेज का मल-मूत्र युक्त गंदा पानी सड़ास के जरिए घर के अन्य कमरों में गंदगी फैलायेगा..? उसका जिम्मेदार कौन होगा..? स्थानीय स्तर पर इसकी देखरेख करने वाली मॉनिटरिंग वाली जिम्मेदार कोई लोकल ईकाई नहीं.., करोड़ों की घर-घर नर्मदा जल पहुंचाने वाली फेल हुई योजना की तकलीफ़ आवाम आए दिन उठा रही, पूरे नगर को दोनों समय मिलता रहा पानी अब ठीक से एक समय नहीं मिल पा रहा। खैर यह तो पानी है लेकिन सीवरेज ट्रीटमेंट योजना में स्थानीय ईकाई की कोई भागीदारी नहीं अगर योजना फेल हुई तो किसे पकड़ा जाएगा..? क्योंकि जब नगर की अच्छी भली सड़क खोदकर खराब करने के बाद भी जब कोई कुछ नहीं बोल रहा, आवागमन की तकलीफ़ होने के बाद आवाम के लिए जिम्मेदारों के मुंह से उफ नहीं निकल रही तब भला मुंह कौन खोल पायेंगा क्या समझना जरूरी नहीं..?

कांग्रेस डॉ. अंबेडकर की विरोधी, संविधान विरोधी, आरक्षण विरोधी और ओबीसी विरोधी है: अजय पाटीदार

युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में राहुल गांधी का फूंका पुतला

भोपाल। भारतीय जनता युवा मोर्चा के भोपाल जिलाध्यक्ष श्री अजय पाटीदार के नेतृत्व में कांग्रेस द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का अपमान करने को लेकर गुरूवार को रोशनपुरा चौराहा पर राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया।

युवा मोर्चा के भोपाल जिलाध्यक्ष श्री अजय पाटीदार ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान किया। कांग्रेस पार्टी डॉ. अंबेडकर की विरोधी, संविधान विरोधी, आरक्षण विरोधी और ओबीसी विरोधी पार्टी है। कांग्रेस लगातार झूठी और मनगढंत वीडियो जारी कर रही है और आमजन में भ्रांति फैलाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करना और समाज में झूठ फैलाना कांग्रेस की पुरानी आदत है। पंडित नेहरू से लेकर चौथी पीढ़ी तक, कांग्रेस परिवार ने हमेशा बाबा साहेब को हाशिये पर रखा और उनका हमेशा विरोध किया।

युवा मोर्चा के भोपाल जिलाध्यक्ष श्री अजय पाटीदार ने कहा कि कांग्रेस के दो-दो प्रधानमंत्रियों ने पद पर रहते हुए खुद को भारत रत्न दिया लेकिन बाबा साहब को नहीं दिया। कांग्रेस के गाँधी परिवार ने अपने परिवार के नाम पर देश में हजारों स्मारक बनवाये लेकिन बाबा साहेब का स्मारक नहीं बनने दिया। भाजपा कभी भी बाबा साहेब का अपमान नहीं कर सकती है।

इस अवसर जिला मीडिया प्रभारी श्री राजेंद्र गुप्ता, जिला महामंत्री श्री अजय साहू, श्री दिव्यऋषि तिवारी, श्री सौरभ खटीक, श्री अन्वेष सिंह, श्री अवनी शर्मा, श्री मोहित अग्निहोत्री, श्री शुभम शर्मा, श्री विकास तिवारी, श्री शुभम सेन, श्री विनय माली, श्री कपिल मकोरिया, मंडल अध्यक्ष श्री मुकेश दहाडे सहित युवा मोर्चा जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज ने डीजीपी से की मुलाकात

प्रदेश में ब्राह्माणों पर हो रहे प्रताड़ना मामलों से कैलाश मकवाणा को कराया अवगत

भोपाल (नप्र)। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पुष्पेंद्र मिश्रा ने संगठन के पदाधिकारियों के साथ गुरुवार को पुलिस मुख्यालय में डीजीपी कैलाश मकवाणा से मुलाकात कर शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत कर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

पदाधिकारियों ने मध्य प्रदेश में ब्राह्मणों के प्रति हो रहे अन्याय प्रताड़ना तथा झूठे केसों में फंसाने की गतिविधियों के बारे में डीजीपी से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने आश्वस्त किया कि मामले की जांच कराकर उचित कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर संगठन मंत्री पंडित महेन्द्र मिश्रा, पंडित शिव नारायण व्यास, पंडित विनोद पांडेय, पंडित अरुण पांडेय, अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के मीडिया प्रभारी पंडित आशीष द्विवेदी, पंडित जगदीश शर्मा, पंडित राम शुक्ला, पंडित राजेश तिवारी, पंडित अनिल पराशर, पंडित रविन्द्र चौबे एवं स्वस्ति वाचन के लिए पांच ब्राह्मण देवता मौजूद रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिये शासन प्रतिबद्ध: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिये शासन प्रतिबद्ध है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य चिकित्सकों, विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये डिस्ट्रिक्ट रेसिडेंसी प्रोग्राम में संशोधन किया गया है। 1 जनवरी 2025 से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम के तहत शैक्षणिक सत्र 2022 के 319 स्नातकोत्तर छात्र चिकित्सकों को प्रदेश के विभिन्न जिला अस्पतालों में तैनात किया जाएगा। इस पहल से ग्रामीण इलाकों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित होगी, साथ ही चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में भी व्यापक सुधार होगा।

आयुक्त, स्वास्थ्य श्री तरुण राठी ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार ने ग्रामीण और पिछड़े जिलों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से डिस्ट्रिक्ट रेसिडेंसी प्रोग्राम को संशोधित स्वरूप में लागू किया है। डिस्ट्रिक्ट रेसिडेंसी प्रोग्राम, जो 1 अप्रैल 2023 से मध्यप्रदेश में लागू हुआ था, अब 18 दिसंबर 2024 को जारी संशोधित नीति के तहत अधिक पारदर्शिता और प्रभावशीलता के साथ लागू किया जाएगा। प्रत्येक जिले में अधिकतम 12 छात्र चिकित्सकों की तैनाती की जाएगी, जिसमें प्रत्येक विषय के दो विशेषज्ञ शामिल होंगे। इस नीति के तहत छात्र चिकित्सकों को अपनी पसंद के अनुसार जिले का चयन करने का अवसर प्रदान किया गया है। पिछड़े जिलों में सेवा देने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि का प्रावधान भी किया गया है। साथ ही, निगरानी और पारदर्शिता के लिए दर्पण पोर्टल और सार्थक एप को आपस में जोड़ा गया है। इससे जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ सेवाएं बेहतर होंगी, साथ ही छात्र चिकित्सकों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होगा।

एम्स भोपाल की डॉ. कृष्णप्रिया को रक्त उत्पादों के विकिरण पर शोध के लिए इंट्राम्यूरल अनुदान

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के निर्देशन में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन और ब्लड बैंक विभाग की रेजिडेंट चिकित्सक, डॉ. कृष्णप्रिया ने अपने शोध के लिए एक इंट्राम्यूरल अनुदान प्राप्त किया है। यह शोध रक्त उत्पादों पर विकिरण (इर्रेडिएशन) से जुड़ा है और मरीजों की सुरक्षा व इलाज के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। यह उपलब्धि एम्स भोपाल की नई खोज और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दिखाती है।

प्रो. सिंह ने डॉ. कृष्णप्रिया को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा, डॉ. कृष्णप्रिया की यह सफलता हमारे संस्थान के लिए गर्व की बात है। यह साबित करती है कि हमारे छात्र मेडिकल साइंस में नई खोज कर सकते हैं और मरीजों की देखभाल को बेहतर बना सकते हैं। शोध और नवाचार को बढ़ावा देना हमारी प्राथमिकता है।

एम्स भोपाल में ऐसे अनुदान कड़ी चयन प्रक्रिया के बाद ही दिए जाते हैं। ये अनुदान छात्रों और शोधकर्ताओं को अपने नए विचारों को साकार करने का मौका देते हैं। डॉ. कृष्णप्रिया की शोध से ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन में नई जानकारी मिलने की उम्मीद है, जो अन्य छात्रों को भी शोध के लिए प्रेरित करेगा।

त्रिशूल कंस्ट्रक्शन और सहयोगियों पर आयकर छापे में खुलासा

राजेश शर्मा और उसकी टीम ने भोपाल में सहारा एस्टेट की 110 एकड़ जमीन खरीदी

भोपाल (नप्र)। पूर्व मुख्य सचिव के लाइजनर के रूप में काम करने वाले त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कम्पनी के मालिक राजेश शर्मा के मामले में आयकर छापे में बड़ा खुलासा हुआ है। आयकर विभाग की पड़ताल में यह बात सामने आई है कि राजेश शर्मा एंड कम्पनी द्वारा राजधानी के होशंगाबाद रोड पर स्थित सहारा सिटी की 110 एकड़ जमीन की खरीदी की गई है। इस जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि राजेश शर्मा रायपुर के कारोबारी महेंद्र गोयनका के लाइजनर के रूप में भी काम कर रहा है और उसकी कम्पनियों में सहयोगियों के साथ मिलकर 400 करोड़ रुपए का इन्वेस्ट किया गया है।

भोपाल के 49 ठिकानों और इंदौर के दो ठिकानों पर बुधवार को इनकम टैक्स की छापेमारी के बाद अब त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कम्पनी के संचालक राजेश शर्मा और इसके सहयोगियों के कारनामों की परतें खुलने लगी हैं। आयकर विभाग की जांच में यह सामने आया है कि राजधानी में अलग-अलग स्थानों पर करोड़ों के प्रोजेक्ट लगाने के साथ राजेश शर्मा और उसके सहयोगी टीम के साथियों ने सहारा एस्टेट की 110 एकड़ लैंड की खरीदी की है। इसके साथ ही आयकर अफसरों को भारी संख्या में बेनामी रजिस्ट्री और अन्य दस्तावेज भी मिले हैं। जिनके मामले में एक-एक बिंदु पर जांच की जा रही है।

5 करोड़ पहुंचा कैश, 25 पहुंची लॉकर संख्या- आयकर विभाग की 36 घंटे से चल रही जांच में सभी 51 ठिकानों से अफसरों को करीब 5 करोड़ रुपए का कैश मिल चुका है। अभी इसमें और भी खुलासे एक दो दिनों में होना बाकी है। इसके साथ ही राजेश शर्मा और उसके सहयोगियों के नाम पर अब तक 25 बैंक लॉकर की जानकारी सामने आ चुकी है। जिसमें जमा कैश और ज्वेलरी की जानकारी जुटाने का काम जारी है। अभी ज्वेलरी का फाइनल वैल्यूएशन आना बाकी है। माना जा रहा है कि इस छापेमारी के मामले एमपी के कुछ ब्यूरोक्रेट्स पर भी आंच आ सकती है जो पूर्व मुख्य सचिव के करीबी हैं और उनके भरोसे में आकर राजेश शर्मा और उसके सहयोगियों के साथ इन्वेस्ट किया है।

रायपुर के कारोबारी महेंद्र गोयनका से जुड़े तार- आयकर की पड़ताल में राजेश शर्मा के तार रायपुर के कारोबारी महेंद्र गोयनका से जुड़े होने का पता चला है। इसके बाद भोपाल, इंदौर के अलावा राजेश शर्मा एंड टीम के रायपुर, जबलपुर, कटनी समेत अन्य शहरों में भी भारी इन्वेस्ट करने के खुलासे हो सकते हैं। आयकर सूत्रों के अनुसार गोयनका की कम्पनियों में शर्मा और उसके सहयोगियों द्वारा 400 करोड़ रुपए तक के इन्वेस्ट किए जाने के दस्तावेज सामने आ चुके हैं। इसमें बेनामी कम्पनियों में खासा लेन-देन होने की भी बात सामने आई है। जिसकी जांच की जा रही है।

रियल एस्टेट कारोबारियों के 52 ठिकानों पर छापा- भोपाल में रियल एस्टेट कारोबारी त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक राजेश शर्मा के ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापा मारा है। उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर भी रेड की गई है। आयकर विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार सुबह 6.45 बजे एक साथ ये कार्रवाई की गई।

गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज को एम्स भोपाल से मिलेगी लाइव आईसीयू सेवा

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने गुरुवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर का दौरा किया और विश्वविद्यालय के विभिन्न पहलुओं का निरीक्षण किया। इस दौरान, उन्होंने गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर

(गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज) की सुविधाओं का अवलोकन किया और उन्हें उत्कृष्ट बताया। प्रो. सिंह ने कहा, एम्स भोपाल इस मेडिकल कॉलेज के साथ मिलकर पूर्वांचल के मरीजों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे। गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाएं हैं, और हम यहां पर लाइव आईसीयू सेवा प्रदान करेंगे, जिससे गंभीर रोगियों को त्वरित और बेहतर उपचार मिलेगा।

उन्होंने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर और कार्य संस्कृति की सराहना करते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करना नई उपलब्धियों को हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। वह इस बात से भी आश्वस्त थे कि एम्स भोपाल के प्रयास से गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में और भी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी। प्रो. सिंह ने कहा कि आने वाले समय में एम्स भोपाल, गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज के मेडिकल, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ तथा विद्यार्थियों को नई तकनीकों और चिकित्सा प्रशिक्षण से लैस करेंगे, जिसका लाभ सीधे तौर पर मरीजों को मिलेगा।

गौरतलब है कि स्वास्थ्य शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, एम्स भोपाल ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग किया जाएगा, जिसमें संकाय और छात्र विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त अनुसंधान अनुदान, और चिकित्सा प्रबंधन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, समझौते में नर्सों, पैरामेडिकल कर्मचारियों, रेजिडेंट मेडिकल अधिकारियों और संकाय सदस्यों के लिए बेसिक लाइफ सपोर्ट और एडवांस्ड मेडिकल लाइफ सपोर्ट में विशेष प्रशिक्षण, साथ ही नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ और छात्रों के लिए तीन महीने का ऑब्जर्वरशिप सहायता कार्यक्रम प्रदान किया जाएगा। यह साझेदारी स्वास्थ्य देखभाल में 3-डी प्रिंटिंग और ड्रोन प्रौद्योगिकी जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर जागरूकता और प्रशिक्षण पर भी ध्यान केंद्रित करेगी।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने इस दौरान बताया कि इस मेडिकल कॉलेज में गंभीर रोगियों के उपचार के लिए 24 घंटे सर्जरी और इमरजेंसी सेवाएं उपलब्ध हैं। हाल ही में यहां जटिल कैंसर सर्जरी भी सफलतापूर्वक की गई है और 18 बेड की डायलिसिस यूनिट भी संचालित है। प्रो. अजय सिंह के स्वागत हेतु महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अरविंद सिंह कुशवाहा, आयुर्वेद कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम सहित अन्य प्रशासनिक और शैक्षिक प्रमुख उपस्थित थे।

जालसाजों को सिमकार्ड बेचने वाला पीओएस एजेंट गिरफ्तार

गुजरात से पकड़ाया आरोपी, अभी तक 250 बेच चुका, 10 एक्टिवेटेड सिम जब्त

भोपाल (नप्र)। भोपाल सायबर क्राइम ब्रांच ने जालसाजों को मोबाइल सिम बेचने वाले एक पीओएस एजेंट को सूरत (गुजरात) से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने अभी तक करीब ढाई सौ मोबाइल सिम बेचने की बात स्वीकार की हैं। आरोपी के पास से 10 सिम कार्ड भी जब्त किए गए हैं। बता दें इस मामले में 5 अन्य आरोपियों को पहले ही क्राइम ब्रांच गिरफ्तार कर चुकी हैं।आरोपी के पास से 10 सिम कार्ड भी जब्त किए गए हैं।

आरोपी ऐसे करता था वारदात- पुलिस ने बताया कि पीओएस एजेंट नया मोबाइल सिम कार्ड देने अथवा पोर्ट कराने के नाम पर ग्राहकों के नाम से सिम एक्टिवेट कर लेता था। ग्राहकों से कहता था कि टेक्निकल समस्या आने से सिम एक्टिवेट नहीं हो पा रही है। उसके बाद पूर्व से एक्टिवेटेड सिम कार्ड सायबर ठगों तक पहुंचा देता था, इसके लिए वह मोटा कमीशन लेता था।पीओएस एजेंट की गिरफ्तारी के बाद कुल 6 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी हैं। पुलिस ने अज्ञात जालसाजों के खिलाफ धोखाधड़ी और

आईटी एक्ट के विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया हैं। क्राइम ब्रांच ने इस मामले में जालसाजों को मोबाइल सिम बेचने वाले वाले पीओएस एजेंट आशुतोष कुमार पुत्र उमेश सिंह (22) निवासी साई रेसिडेंसी, कर्सनपाडा सूरत (गुजरात) स्थाई निवासी ग्राम दुर्गापुर कुशवाहा टोला बिहार को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों की हो चुकी गिरफ्तारी- सायबर क्राइम ब्रांच ने इस मामले में आरोपी रामनाथ लोधी निवासी शिवपुरी, धनीराम जाटव उर्फ शैलेंद्र उर्फ मिंटू निवासी शिवपुरी, बांभनीया शांति निवासी सूरत, परमार कमलेश भाई निवासी सूरत और प्रजापति अश्विन भाई निवासी सूरत गुजरात को गिरफ्तार किया था।

इन सभी के बैंक अकाउंट का उपयोग ठगी की राशि को प्राप्त करने के लिए किया गया था। अभी तक पीओएस एजेंट की गिरफ्तारी के बाद कुल 6 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी हैं।

एम्स भोपाल में 8वें सिद्ध दिवस का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में 19 दिसंबर, 2024 को आयुष विभाग के तत्वावधान में 8वां सिद्ध दिवस मनाया गया। सिद्ध चिकित्सा पद्धति के जनक माने जाने वाले सिद्धार अगस्तियार की जयंती के रूप में हर साल सिद्ध दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष का थीम था सिद्धा फार पब्लिक हेल्थ, जिसका उद्देश्य सिद्ध चिकित्सा पद्धति के लाभों के बारे में लोगों को जागरूक करना था। प्रो. सिंह ने सिद्ध चिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ रोग प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने ग्रामीण और दूर-दराज क्षेत्रों में इस पद्धति के प्रचार-प्रसार के लिए और अधिक शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके साथ ही, उन्होंने आयुष पद्धतियों को आधुनिक चिकित्सा से जोड़ने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

इस कार्यक्रम में डॉ. ऐश्वर्या ए. (मेडिकल अधिकारी, सिद्ध चिकित्सा) ने सिद्ध चिकित्सा- समग्र स्वास्थ्य और कल्याण की दिशा में विषय पर अपने विचार व्यक्त किए और सिद्ध चिकित्सा के सिद्धांतों को उपस्थित लोगों के समक्ष रखा। डॉ. मुद्धा सोफिया (मेडिकल अधिकारी, योग और प्राकृतिक चिकित्सा) ने थिरूमूलर प्राणायाम का लाइव सत्र आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान भोपल तमिल संगम द्वारा पारंपरिक तमिल सांस्कृतिक नृत्य का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपनिदेशक (प्रशासन) कर्नल अजीत कुमार, डीन (शैक्षणिक) डॉ. रजनीश जोशी, डॉ. दानिश जावेद, डॉ. रंजना पांडे, डॉ. आशीष दीक्षित, डॉ. बरकती मोहम्मद तारीक और अन्य लोग उपस्थित रहे।

शाह और भाजपा के मन में बाबा साहेब के प्रति सम्मान नहीं : विभा पटेल

शाह की टिप्पणी पर भोपाल समेत पूरे प्रदेश में महिला कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर पर की गई टिप्पणी को लेकर गुरुवार को लिंक रोड नंबर एक पर बड़ा प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रही। महिलाओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनसे देश से माफी मांगने की मांग की। साथ ही उनसे केंद्रीय गृह मंत्री पद से इस्तीफा भी मांगा। ये महिलाएं विधानसभा भवन तरफ जाना चाहती थीं लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। वहीं, महिला कांग्रेस के आव्हान पर गुरुवार को ही प्रदेश के सभी जिलों में महिला कांग्रेस विरोध-प्रदर्शन करके अपना विरोध दर्ज करा रही हैं।

इस मौके पर हुई सभा में श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि बाबा साहेब का सम्मान हम समेत पूरा देश करता हैं। वह हम सबके लिए सदैव आदरणीय और अनुकरणीय हैं। देश -दुनिया में उनका सम्मान है। लेकिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने देश के संविधान निर्माता, पिछड़ों और दलितों के मसीहा के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी की है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

श्रीमती विभा पटेल ने अमित शाह की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा लगातार संविधान के मूल्यों पर हमला कर रही है। उसके नेताओं के मन में बाबा साहेब के प्रति सम्मान नहीं है। न ही भाजपा संविधान का सम्मान करती है। भाजपा पर संविधान विरोधी होने का आरोप लगाते हुए श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि, बाबा साहेब ने हमें अपने जीवन को बेहतर बनाने का अधिकार दिया। लेकिन आज भाजपा और उसके नेता लगातार संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर ने देश के दबे-कुचले, शोषित, वंचित, निर्धन वर्ग को अधिकार दिलाए। महिला, दलित, आदिवासी, पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग समेत युवाओं को केंद्रीय मंत्री शाह की टिप्पणी से भावनात्मक चोट पहुंची है। इस प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कंसाना , शीतल मालवीय, लता देवरे,यशोदा पांडे, महक राणा, अंबिका पाठक, रेखा भदोरिया आदि भी मौजूद रहीं।

भोपाल मंडल के 9 स्टेशनों पर 'किलाबंदी' टिकट चेकिंग

1549 यात्री पकड़े गए, 8.66 लाख जुर्माना वसूला

टिकट है तो सफर आसान, भोपाल मंडल का व्यापक टिकट चेकिंग अभियान

भोपाल। रानी कमलापति,संत हिरदाराम नगर, गुना, बीना, इटारसी,हरदा,विदिशा,नर्मदापुरम स्टेशनों पर रेलवे विभाग ने चलाया अभियान। अनियमित एवं बिना टिकट यात्रा करते 1549 यात्री पकड़ कर, रूपये 866985/- का जुर्माना वसूला गया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया के निर्देशन में भोपाल मंडल द्वारा अधिकृत यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने तथा रेल राजस्व में वृद्धि करने हेतु सतत प्रयास किये जा रहे है।

इसी क्रम में आज दिनांक 19.12.2024 को भोपाल मंडल के नौ स्टेशनों जैसे भोपाल,रानी कमलापति,संत हिरदाराम नगर, गुना, बीना, इटारसी, हरदा,विदिशा, नर्मदापुरम स्टेशनों पर एक साथ सुबह 06 बजे से दोपहर 02 बजे तक वाणिज्य विभाग के 10 पर्यवेक्षक ,104 टिकट चेकिंग स्टाफ के सहयोग से किलाबन्दी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। पर्यवेक्षक टिकट चेकिंग स्टॉफ की निगरानी में चलाये गए इस टिकट चेकिंग अभियान के दौरान स्टेशन के बाहर निकलने वाले रास्ते की घेराबंदी की गई, ताकि कोई भी यात्री बिना जाँच के स्टेशन के बाहर न जा सकें।

इस किला बन्दी टिकट चेकिंग अभियान के दौरान स्टेशनों पर आने-जाने वाली कुल 153 गाड़ियों के यात्रियों के टिकट की जांच की गई। जांच के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले कुल 730 यात्री पकड़े गए, जिनसे रुपये 468395/- बतौर किराया/जुर्माना वसूला किया गया। अनुचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले कुल 806 यात्री पाए गए, जिनसे रुपये 396190/- बतौर जुर्माना/किराया वसूल किया गया। बिना बुक कराए सामान लेकर यात्रा कर रहे एवं स्टेशन पर गंदगी फैलाते हुए 13 यात्री पाए गए, जिनसे रुपये 2400/- बतौर जुर्माना/किराया वसूलने के साथ ही यात्रियों को उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने एवं गंदगी ना करने की समझाईश दी गई।

इस प्रकार सभी नौ स्टेशनों पर एक साथ चले इस क़िलाबन्दी टिकट चेकिंग अभियान के दौरान बिना टिकट, अनुचित टिकट, बिना बुक कराए समान लेकर यात्रा करते पाए गए यात्रियों के पकड़े गए कुल 1549 मामलों से कुल रुपये 866985/- का रेल राजस्व प्राप्त हुआ।

1.भोपाल स्टेशन - इस किला बन्दी टिकट चेकिंग अभियान के दौरान भोपाल स्टेशन पर आने-जाने वाली कुल 21 गाड़ियों के यात्रियों के टिकट की जांच की गई। जांच के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले कुल 203 यात्री पकड़े गए, जिनसे रुपये 137470/- बतौर किराया/जुर्माना वसूला किया गया। अनुचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले कुल 161 यात्री पाए गए, जिनसे रुपये 81150/- बतौर जुर्माना/किराया वसूलने के साथ ही यात्रियों को उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने एवं गंदगी ना करने की समझाईश दी गई।

इस प्रकार भोपाल स्टेशन पर चले इस क़िलाबन्दी टिकट चेकिंग अभियान के दौरान बिना टिकट, अनुचित टिकट, बिना बुक कराए समान लेकर यात्रा करते पाए गए यात्रियों के पकड़े गए कुल 364 मामलों से कुल रुपये 218620/- का रेल राजस्व प्राप्त हुआ।

2.इटारसी स्टेशन- इस किला बन्दी टिकट चेकिंग अभियान के दौरान इटारसी स्टेशन पर आने-जाने वाली कुल 39 गाड़ियों के यात्रियों के टिकट की जांच की गई। जांच के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले कुल 140 यात्री पकड़े गए, जिनसे रुपये 105145/- बतौर किराया/जुर्माना वसूला किया गया। अनुचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले कुल 212 यात्री पाए गए, जिनसे रुपये 106820/- बतौर जुर्माना/किराया वसूल किया गया। बिना बुक कराए सामान लेकर यात्रा कर रहे एवं स्टेशन पर गंदगी फैलाते हुए 3 यात्रियों से 600/- रुपये जुर्माना वसूलने के साथ ही यात्रियों को उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने एवं गंदगी ना करने की समझाईश दी गई।

01703/01704 रीवा-मडगांव-रीवा के मध्य 02-02 ट्रिप साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के निरंतर प्रयासों के अंतर्गत पश्चिम मध्य रेल ने अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने एवं यात्रियों की सुविधा हेतु रीवा-मडगांव-रीवा के मध्य 02-02 ट्रिप साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है।

गाड़ी संख्या 01703, रीवा-मडगांव स्पेशल ट्रेन, दिनांक 22.12.2024 और 29.12.2024 को रीवा से दोपहर 12:00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 19:45 बजे इटारसी, 20:40 बजे हरदा एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए 21:25 बजे मडगांव स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 01704, मडगांव-रीवा स्पेशल ट्रेन, दिनांक 23.12.2024 और 30.12.2024 को मडगांव से रात 22:25 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 20:08 बजे हरदा, 21:30 बजे इटारसी एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन सुबह 08:20 बजे रीवा स्टेशन पहुँचेगी।

इस गाड़ी में कुल 24 कोच होंगे, जिनमें 01 वातानुकूलित प्रथम श्रेणी, 01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 05 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 11 शयनयान श्रेणी, 04 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी कोच शामिल हैं।

रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया, इटारसी, हरदा, खंडवा, भुसावल, जलगांव, मनमाड, नासिक रोड, कल्याण जंक्शन, पनवेल, रोहा, चिपलुन, रत्नागिरी, कंकावली, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड, थिविम और करमाली स्टेशनों पर रुकेगी।

संसद में धक्का-मुक्की पर शिवराज बोले- राहुल ने गुंडागर्दी की

भोपाल (नप्र)। संसद में गुरुवार सुबह हुई धक्कामुक्की की घटना को लेकर कांग्रेस और भाजपा दोनों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कांग्रेस मुख्यालय में राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम शांति से प्रदर्शन करने आए थे, लेकिन भाजपा ने मसल पावर दिखाया। ये उनका अडाणी जैसे जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाने का तरीका है।

वहीं, भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि अगर खड़गे-राहुल को माफी नहीं मांगनी थी तो प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों की। उनका अहंकार झलक रहा है। आज जो संसद में हुआ उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। कांग्रेस ने गुंडे-पहलवान संसद में भेजे हैं।

राहुल जानबूझकर हमारे सांसदों के बीच आए- शिवराज सिंह ने कहा कि, आज संसद के बाहर जो हुआ वह अशालीन, अशोभनीय और गुंडागर्दी से भरा व्यवहार था, जिसकी सभ्य समाज कल्पना नहीं कर सकता। विरोध प्रकट करने का अधिकार है। कांग्रेस भी कई दिनों से ऐसा कर रही थी। मकरद्वार पर उनके मेंबर्स खड़े होते थे, हम दरवाजा बदल लेते थे या चुपचाप चले जाते थे। आज जब भाजपा मेंबर्स वहां विरोध कर रहे थे, तब राहुल आए। सुरक्षाकर्मियों ने कहा कि आप स्पेस का इस्तेमाल अंदर जाने के लिए करें। जानबूझकर, सोच-समझकर राहुल हमारे सांसदों के बीच पहुंच गए। उन्होंने ऐसा व्यवहार किया।

कोई धक्का-मुक्की, गुंडागर्दी की कल्पना कर सकता है। हमारे बुजुर्ग-गरीब सांसद सारंगी जी गिर गए। इसके कारण उनके माथे पर गंभीर चोट लगी। राजपूत होश में नहीं थे। उनकी एमआरआई की जा रही थी। क्या देश में अब ऐसा ही होगा।

कांग्रेस ने संविधान को पैरों तले कुचला

शिवराज ने कहा कि हमारी आदिवासी सासंद कोन्याक ने जो कहा, उसे सुनकर दुख से मन भर जाता है। सभापति जी कह रहे कि सांसद उनके पास रोते हुए आए। क्या महिला आदिवासी सासंद के साथ ऐसा व्यवहार किया जाएगा। मां बहन और बेटी का सम्मान भारत की परंपरा रही है। मैं तो कार्यक्रमों में जाता हूं तो बेटियों के पैर धोता हूं, लेकिन कांग्रेस के सांसदों ने मर्यादाएं तोड़ दीं। अध्यक्ष की आसंदी के ऊपर चढ़ गए। आसंदी की मर्यादा को पैरों तले रौंदा गया। संविधान को कुचला गया।

कांग्रेस सदन में गुंडे-पहलवान चुन रही है

शिवराज ने कहा कि कांग्रेस ने डेमोक्रेसी को कलंकित करने का पाप किया है। इसके लिए देश उन्हें माफ नहीं करेगा। यह गैर भारतीय आचरण है। अभी तक हम उम्मीदवार का चयन करते थे तो उसकी प्रेजेंटेशन की पावर देखते थे, लेकिन कांग्रेस ने परंपरा बदल रही है। पहलवान, गुंडे, उठाकर पटकने वाले चुन रही है। यह शर्मनाक है और मेरा सिर शर्म से झुक गया। हमारे सांसदों ने इसकी शिकायत भी की है। जो उचित और वैधानिक कार्रवाई होगी, भाजपा करेगी।

इंदौर से चलेगी गौरव पर्यटन ट्रेन, दक्षिण दर्शन कराएगी

9 रात, 10 दिन का टूर, एमपी के नौ स्टेशन पर हॉल्ट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) भारत गौरव पर्यटक ट्रेन चला रहा है। यह ट्रेन 2 जनवरी 2025 को इंदौर शहर से 'दक्षिण दर्शन यात्रा' के लिए रवाना होगी।

ट्रेन मध्यप्रदेश के इंदौर, देवास, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, संत हिरदाराम नगर, रानी कमलापति, इटारसी, बैतूल स्टेशन पर रुकते हुए जाएगी। 9 रात और 10 दिन की इस यात्रा में तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरई, कन्याकुमारी और त्रिवेंद्रम के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण आप कर सकते हैं।

ऋग्वेद ने जीती अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता

चैंपियन और फर्स्ट रनर अप ट्रॉफी जीतने पर कलचुरी समाज ने किया सम्मान

भोपाल (नप्र)। दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर की गणित प्रतियोगिता में ऋग्वेद गंगभोज ने अपनी उत्कृष्ट गणितीय प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस प्रतियोगिता में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चैंपियन ट्रॉफी और राष्ट्रीय स्तर पर फर्स्ट रनर अप ट्रॉफी हासिल की। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 30 से अधिक देशों के 8000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

ऋग्वेद गंगभोज भोपाल के बागसेवनिया क्षेत्र में स्थित एक अकादमी के छात्र हैं, उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपनी शिक्षिकाओं पूजा कोठारी और सविता ढोके को दी। ऋग्वेद के पिता रविंद्र गंगभोज

भविष्य निधि कार्यालय में सांख्यिकी अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं और उनकी माता कीर्ति गंगभोज भी अपने बेटे की इस उपलब्धि पर गर्वित हैं। अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर ऋग्वेद को अंगवस्त्र, भगवान श्री कार्तवीर्य सहस्त्रबाहु जी की प्रतिमा और उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सम्मानित किया गया।

ऋग्वेद की इस सफलता पर कलचुरी मराठा कलार समाज, गणेश सहस्त्रबाहु सांस्कृतिक जन कल्याण समिति, कलचुरी सेना, वरिष्ठ नागरिक मंच कलार समाज, अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरी महासभा, सहस्त्रबाहु कलचुरी महासभा, सहस्त्रबाहु मंदिर समिति (ई-8 बसंत कुंज), मित्र मंडल भेल भोपाल और कलार समाज रामपायली बालाघाट द्वारा उनका स्वागत किया गया।

युवाओं के स्टार्टअप ने की अंतर्राष्ट्रीय कम-अप 2024 में भागीदारी

मुख्यमंत्री ने एआई स्टार्ट-अप की उपलब्धि पर दी बधाई

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सियोल, दक्षिण कोरिया में 'कम-अप-2024' आयोजन में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए एआई स्टार्ट-अप क्षेत्र में कार्यरत प्रदेश के युवा अर्पित श्रीवास्तव को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृप्टन एआई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड की तरफ से भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 'कम-अप-2024' में देश के युवाओं ने अपनी भागीदारी दर्ज की। निश्चित ही इससे प्रदेश की स्टार्ट-अप नीति की सफलता भी प्रमाणित हुई है। प्रदेश के अन्य युवा भी इस उपलब्धि से प्रेरित होंगे।

उल्लेखनीय है कि 11 और 12 दिसंबर को दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में यह आयोजन सम्पन्न हुआ। कृप्टन एआई स्टार्ट-अप मध्यप्रदेश के युवाओं का है और प्रदेश से चयनित युवक अर्पित हैं, जो प्रदेश के लिए इस गौरवपूर्ण उपलब्धि का माध्यम बने हैं। पूरे देश से कुल 6 स्टार्टअप चयनित हुए।

दक्षिण कोरिया और यूएई की स्टार्ट-अप मिनिस्टर से हुआ युवाओं का संवाद

सियोल के इस प्रतिष्ठित आयोजन में एआई के क्षेत्र में भविष्य की

पैथोलॉजी सेंटर के चेंजिंग रूम में लगा मिला हिडन कैमरा, दंपत्ति ने किया हंगामा

एक कर्मचारी हिरासत में, मोबाइल में मिले कई वीडियो

भोपाल (नप्र)। भोपाल के मालवीय नगर की पैथोलॉजी लैब मेडी स्कैन सेंटर के चेंजिंग रूम में कैमरा लगा हुआ था। गुरुवार को एमआरआई कराने पहुंची महिला और उसके पति ने कैमरा देखा। महिला के पति का दावा है कि चेंजिंग रूम में फॉल सीलिंग में मोबाइल फोन छिपाकर रखा गया था। यहां महिलाएं एमआरआई से पहले गाउन पहनने आया करती हैं। कैमरा देखने पर इसका विरोध किया, तो स्टाफ ने बदसलूकी की। हंगामे की सूचना पर अरेरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लैब के एक कर्मचारी को हिरासत में लिया है।

फॉल सीलिंग के बीच रखा था मोबाइल, वीडियो रिकॉर्डिंग ऑन थी- अरेरा हिल्स थाने के टीआई मनोज पटवा के मुताबिक, जहांगीराबाद में रहने वाला युवक, पत्नी को लेकर पैथोलॉजी लैब पहुंचा था। पत्नी चेंजिंग रूम में पहुंची। गाउन पहनते समय उसने छत की ओर देखा। पीओपी (प्लास्टर ऑफ पेरिस) की फॉल सीलिंग के बीच उसे कुछ रखा दिखा। उसने पति को इसकी जानकारी दी। पति ने चेक किया, तो वहां मोबाइल फोन रखा। इसमें वीडियो रिकॉर्डिंग ऑन थी।

चेंजिंग रूम सील, मेल कर्मचारी के मोबाइल में मिले कई वीडियो- टीआई ने बताया कि चेंजिंग रूम को सील कर दिया है। कर्मचारियों के बयान दर्ज किए जाएंगे। शुरुआती जांच में एक मेल कर्मचारी की भूमिका संदिग्ध पाई है। इसका नाम विशाल ठाकुर है। उसके मोबाइल से अश्लील वीडियो मिले हैं। पूछताछ की जा रही है कि वीडियो को बनाने के बाद वह आगे क्या करता था? दूसरे कर्मचारियों के साथ भी ये वीडियो शेयर करता था, किसी सोशल मीडिया साइट पर भी इन वीडियो को अपलोड तो नहीं किया? इसे लेकर पूछताछ की जा रही है।

महिला का पति बोला- 27 मिनट की रिकॉर्डिंग हो चुकी थी

महिला के पति ने बताया कि जब मोबाइल को चेक किया, तब उसमें वीडियो रिकॉर्डिंग चल रही थी। 27 मिनट की वीडियो बन भी चुकी। इसमें कई महिलाओं के फुटेज थे। जब स्टाफ से मोबाइल के बारे में पूछा, तो किसी ने कुछ नहीं बताया। स्टाफ ने मोबाइल छीना और मारपीट करने पर उतर आया।

महिला के पति के मुताबिक, किसी तरह वह और पत्नी वहां से जान बचाकर निकले और थाने पहुंचे। पति-पत्नी को साथ लेकर पुलिस लैब पहुंची। मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि कर्मचारी के मोबाइल में कई वीडियो मिले हैं।

एसटीआर में वॉक पर निकली टाइगर फैमिली ने रोका रास्ता

एक साथ 4 बाघ, नजारा देख रोमांचित हो उठे टूरिस्ट

नर्मदापुरम (नप्र)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के मढ़ई और चूरना में बड़ी संख्या में पर्यटक जंगल सफारी करने पहुंच रहे हैं। पर्यटकों को टाइगर फैमिली के दीदार भी हो रहे हैं। टाइगर फैमिली का एक ऐसा ही वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया पर सामने आया।

वीडियो में चार टाइगर एक साथ सफारी के रास्ते पर चलते व बैठे दिखाई दे रहे हैं, जिसे देख कुछ पल के लिए टूरिस्ट डर गए। फिर सभी पर्यटकों ने रोमांचित करने वाले नजारे का आनंद लिया। बाघ-बाघिन व दो शावकों के आगे एक और पीछे करीब तीन जिप्सी खड़े रही। जिप्सी में बैठे सैलानियों ने बाघिन का वीडियो बना लिया। कुछ देर तक बाघिन, उसके शावक बैठे रहे, बाघ कुछ दूरी पर पीछे चलते रहे। शावक अठखेलियां भी करते रहे। कुछ देर तक टाइगर फैमिली ने रॉयल अंदाज में रास्ता रोके रखा। फिर थोड़ी दूर तक चारों चलते रहे। आगे चलकर रास्ता छोड़ चारों झाड़ियों की तरफ चले गए।

बाघिन पीछे से दहाड़ते हुए आगे आई- जंगल सफारी के दौरान पश्चिम बंगाल से आए टूरिस्ट ने मोबाइल कैमरे में शूट किया। इस दौरान वे रोमांचित हो गए। पर्यटकों ने मोबाइल कैमरे में इन पलों को कैद किया। वीडियो में साफ तौर पर देख सकते है कि दो शावक टाइगर रास्ते पर बैठे है। बाघिन पीछे से दहाड़ते हुए आगे आई। कुछ देर बाद शावक दो टाइगर अठखेलियां करते हुए चलने लगे। चौथा टाइगर पीछे-पीछे आते दिख रहा, जिनके पीछे जिप्सी चल रही।

एसटीआई के मढ़ई सहायक संचालक अंकित जामोद ने बताया कि मौसम सर्द होने के कारण अकसर खुले स्थान पर टाइगर धूप लेने के लिए आते हैं। लगातार बाघिन और उसके शावक टूरिस्ट को दिखाई दे रहे हैं। बाघिन का कोई नाम रखा नहीं है। बाघिन, उसके दो शावक के अलावा एक वयस्क टाइगर भी साथ में दिखा है। शावकों की उम्र डेढ़ साल है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सटई (छतरपुर) के किसान सम्मेलन सह लोक कल्याण शिविर में विकास कार्यों का भूमि-पूजन व लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने गोवा मुक्ति दिवस की दी बधाई

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गोवा के नागरिकों को गोवा मुक्ति दिवस की बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुर्तगाल की पराधीनता से मुक्ति के लिए आंदोलन में सहभागिता करने वाले सैनिकों को नमन करते हुए कहा कि वैभवशाली विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर गोवा प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है।

महाकाल को जल चढ़ाने के नाम पर ठगी

कलेक्टर ने यूपी-गुजरात के 10 श्रद्धालुओं को नंदी हॉल में पकड़ा, कहा-पुरोहित प्रतिनिधि ने 6600 लिए

उज्जैन (नप्र)। महाकालेश्वर मंदिर में एक बार फिर दर्शन के नाम पर 10 लोगों से ठगी हुई। गुरुवार सुबह उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह ने यूपी और गुजरात के 10 लोगों के साथ विप्र दर्शन के नाम पर ठगी कर रहे मंदिर के पुरोहित प्रतिनिधि और एक अन्य को पैसे लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है।

दोनों आरोपियों को महाकाल थाने भिजवाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाने पर एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार, महाकाल मंदिर प्रशासक सहित सभी 10 फरियादियों को आवेदन देने के लिए भेजा गया है।

एडीएम अनुकूल जैन ने बताया कि, कलेक्टर नीरज सिंह रोजाना की तरह सुबह दर्शन करने पहुंचे थे। इस दौरान नंदी हॉल में 10 श्रद्धालु उन्हें दर्शन करते हुए नजर आए। कलेक्टर ने सभी श्रद्धालुओं से बातचीत कर जाना की वह नंदी हॉल तक कैसे पहुंचे।

इस पर श्रद्धालुओं ने बताया कि उन्हें पुरोहित प्रतिनिधि राजेश भट्ट और एक अन्य व्यक्ति लेकर आए हैं। उसने प्रति व्यक्ति 11 सौ रुपए लिए और भगवान महाकाल को जल अर्पित करने का झांसा दिया। ये सुनते ही कलेक्टर ने सभी भक्तों समेत दोनों आरोपियों को महाकाल थाने भिजवा दिया।

प्रतिनिधि ने कहा था- सभी को जल चढ़वा देंगे- ठगी की वारदात करने वाले दोनों आरोपियों पर श्रद्धालुओं ने आरोप लगाया कि वह सामान्य दर्शन करने जा रहे थे। इस दौरान उन्होंने मंदिर में जल चढ़ाने का पूछा तो, उन्हें बताया गया कि वह 1100 रुपए प्रति व्यक्ति देने पर सभी श्रद्धालुओं को जल चढ़ावा देंगे।

6 श्रद्धालुओं से पहले, 2 से बाद में पैसे देने कहा

यूपी से आए मनोज कुमार और संजू देवी समेत पांच श्रद्धालुओं से पुरोहित प्रतिनिधि राजेश भट्ट ने 6 हजार 6 सौ रुपए लिए। भट्ट ने अहमदाबाद के दो श्रद्धालुओं जिनल बेन और योगेश भाई सहित एक अन्य से 2200 रुपए लेने की बात कही थी। तय हुआ था कि जल चढ़ाने के बाद ये पूरे पैसे देंगे।

एडीएम अनुकूल जैन ने बताया कि डीएम सर ने दो लोगों को पकड़ा था। जिसके बाद आगे की कार्यवाही के लिए फरियादी से बयान लिए जा रहे हैं। इसके बाद कार्यवाई होगी।

कलेक्टर नीरज सिंह ने कहा- दर्शन के दौरान कुछ भक्त नंदी हॉल में दर्शन करते दिखे। पूछताछ में पता चला कि इन्हें पुरोहित प्रतिनिधि राजेश भट्ट और उनका एक सहयोगी 1100 रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से लेकर आया है। मामले की जानकारी लगते ही महाकाल थाने भिजवाया गया है।

पूर्व आरटीओ कॉन्स्टेबल के घर मिली 40 किलो चांदी

लोकायुक्त टीम ने 17 लाख कैश, सोने के जेवर जब्त किए, प्रॉपर्टी दस्तावेजों की भी जांच

भोपाल (नप्र)। भोपाल की अरेरा कॉलोनी में 11 नंबर डिवाइन स्कूल के सामने पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा का घर है। सुबह 7 बजे लोकायुक्त टीम ने रेड की।

लोकायुक्त की टीम ने पूर्व आरटीओ (रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस) कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के घर गुरुवार सुबह छापा मारा। टीम को सौरभ के अरेरा कॉलोनी स्थित घर से 17 लाख कैश, सोने-चांदी के जेवर और चल-अचल संपत्ति के दस्तावेज मिले हैं। डीएसपी वीरेंदर सिंह ने बताया कि अब तक की जांच में करीब 40 किलो चांदी भी मिल चुकी है। सौरभ शर्मा परिवहन विभाग में आरक्षक रहे हैं। एक साल पहले वीआरएस ले चुके हैं। फिलहाल, रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े हैं। उनके एक होटल पर भी रेड की गई है। सौरभ के एक दोस्त के यहां भी कार्रवाई की जानकारी मिली है।

दोनों पर परिवहन नाकों पर तैनाती कराने के लिए दलाली करने के आरोप रहे हैं। सौरभ ने महज 12 साल की नौकरी में प्रदेश भर में करोड़ों का अवैध साम्राज्य खड़ा किया है।

सौरभ शर्मा फिलहाल दुबई में हैं। घर में केवल मां और नौकर हैं।

आरक्षक से बिल्डर बने सौरभ शर्मा- सौरभ शर्मा वीआरएस लेने से पहले ही रियल एस्टेट कारोबार से जुड़ गए थे। प्रदेश के कई रसूखदारों से उनकी नजदीकी थी। लिहाजा कार्रवाई के डर से उन्होंने वीआरएस लिया और बिल्डर बन गए। भोपाल सहित प्रदेश के कई जिलों में उनकी संपत्ति होने के प्रमाण लोकायुक्त को मिले हैं। अब तक की कार्रवाई में सौरभ के एक होटल और एक स्कूल में निवेश के प्रमाण लोकायुक्त टीम को मिले हैं। सौरभ ने महज 12 साल की नौकरी में करोड़ों रुपए का साम्राज्य खड़ा किया।

एडीजी ने 2 स्थानों पर छापे की पुष्टि की

एडीजी लोकायुक्त जयदीप प्रसाद ने बताया कि सौरभ शर्मा के दो ठिकानों पर कार्रवाई की जा रही है। सुबह 7 बजे दो टीमों को उसके अलग-अलग ठिकानों पर रवाना किया गया था। उसके खिलाफ पहले शिकायत मिली थी। इसकी जांच के बाद कार्रवाई की गई है।

पिता की जगह मिली थी अनुकंपा नौकरी

बताया जा रहा है कि सौरभ को अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। उनके पिता पहले परिवहन विभाग में पदस्थ रहे हैं। मूल रूप से ग्वालियर के रहने वाले सौरभ साधारण परिवार से थे। चंद साल की नौकरी में ही रहन-सहन बदल गया था। इसकी शिकायत विभाग सहित अन्य स्थानों पर की जाने लगीं। इस पर सौरभ ने वीआरएस लेने का फैसला लिया। इसके बाद भोपाल के कई नामचीन बिल्डरों के साथ प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट करने लगे।

म.प्र.में 23 दिसंबर से तेज सर्दी का दूसरा दौर

5 दिन तक ग्वालियर-चंबल में कोहरा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड का दूसरा दौर 23 से 25 दिसंबर के बीच आएगा। यह जनवरी 2025 तक रहेगा। इससे पहले अगले 4-5 दिन तक प्रदेश के उत्तरी हिस्से यानी ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग में कोहरा रहेगा। भोपाल, उज्जैन, जबलपुर में रात का पारा 8-10 डिग्री सेल्सियस से नीचे ही रहेगा।

मौसम विभाग ने ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में कोहरा छाने का अनुमान जताया है। बाकी जगहों पर मौसम साफ रहेगा। दिन में तेज धूप हो सकती है।

ठंड से थोड़ी राहत, 2 डिग्री तक बढ़ा पारा- मंगलवार-बुधवार की रात प्रदेश में कड़ाके की ठंड से थोड़ी राहत मिली। रात के पारे में 2 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, कई शहर ऐसे हैं, जहां पारा 5 डिग्री सेल्सियस से कम ही रहा। पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 2.4 डिग्री दर्ज किया गया। मंडला में 3.5 डिग्री, उमरिया में 3.8 डिग्री, नौगांव में 4 डिग्री, टीकमगढ़ में 5.3 डिग्री, रीवा में 5.4 डिग्री और राजगढ़ में 5.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

बड़े शहरों की बात करें तो जबलपुर में 5.2 डिग्री, ग्वालियर में 5.4 डिग्री, भोपाल में 6.2 डिग्री, उज्जैन में 10 डिग्री और इंदौर में 11.6 डिग्री सेल्सियस टेम्प्रेचर दर्ज किया गया। हालांकि, बुधवार को दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिली। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन समेत कई शहरों में पारा 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया।

इसलिए बदला मौसम- मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने कहा- शीतलहर और कोल्ड डे यानी ठंडे दिन की कंडीशन खत्म हो गई है। चार से पांच दिन तक टेम्प्रेचर में बढ़ोतरी रहेगी। जिससे ठंड का असर कम होगा। उत्तर भारत में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के गुजरने के बाद बर्फबारी होगी। उत्तरी हवाएं फिर चलने लगेंगी। इसके बाद प्रदेश में कड़ाके की ठंड का दौर दोबारा आएगा।